आज का विचार
अपने जीवन के प्रति जो हम सोचते हैं उससे कही ज्यादा सुंदर होती है ईश्वर की योजनाएँ।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | शनिवार, 25 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 99, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

जब से बेअदबी विरोधी कानून बना है, भाजपा मुझे कमजोर और खत्म करने की साजिशें रच रही है: भगवंत मान

भाजपा और इन सांसदों ने पंजाब के साथ धोखा किया है, जिसके लिए पंजाब उन्हें उचित जवाब जरूर देगा: मुख्यमंत्री

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाजपा को एक स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि जब से 'बेअदबी' के खिलाफ सख्त कानून बनाए गए हैं, भाजपा की बेचैनी स्पष्ट दिखाई दे रही है, क्योंकि भाजपा पंजाब की भावनाओं से जुड़े इस मुद्दे पर पंजाब सरकार की निर्णायक कार्रवाई को स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा, जिसे पंजाब ने बार-बार नकारा है, सूबे और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रति बदले की भावना और दुश्मनी वाला रवैया अपनाकर डराने-धमकाने, लालच देने और दल-बदल के प्रयासों के जरिए भ्रष्टाचार मुक्त आप सरकार को कमजोर करने की लगातार कोशिश कर रही है।

पार्टी छोड़ने वालों और ऐसे कदम उठाने के लिए मजबूर करने वालों की कड़ी निंदा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि पंजाब में भाजपा का सियासी आधार नाममात्र का न होने के कारण वह ऐसी घटिया चालें चल रही है, क्योंकि आप सरकार द्वारा स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और रोजगार के मामले में प्रत्यक्ष सुधारों ने भाजपा और अन्य विपक्षी दलों का संतुलन पूरी तरह बिगाड़ दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'आप' की ताकत आम लोग हैं और सैद्धांतिक मापदंड तथा क्रांतिकारी सोच हमारी पार्टी का आधार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सूबे के साथ दगा करने वाले लोगों को पंजाब के निवासियों ने सदा जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसी घटिया चालों से लोकतांत्रिक राज्य पंजाब में राजनीतिक सफलता हासिल नहीं की जा सकती।

आज चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के समझदार और स्वाभिमानी लोग उन गद्दारों को कभी माफ नहीं करेंगे, जिन्होंने अपने निजी हितों के लिए उनकी पीठ में छुरा घोंपा। पंजाबी कभी भी विश्वासघात करने वालों को नहीं भूलते और जिन्होंने भी उन्हें धोखा देने की सोची, वे लोग राजनीति से लुप्त हो गए। कमालू, मानशाहिया और अन्य ऐसे कई नेताओं ने जब भी पंजाब के लोगों से धोखा किया, तो लोगों ने उनका ऐसा सफाया किया कि वे आज यादों से भी मिट गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोकतंत्र में पार्टी सर्वोपरि होती है, न कि वह व्यक्ति जो अपनी मर्जी और फायदे के लिए दल बदलते रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई नेताओं को तो बिना किसी ठोस योगदान के पद हासिल हुए, लेकिन बाद में उन्होंने अपने निजी फायदों के लिए अपनी मूल पार्टी को धोखा देना चुना। भाजपा का असली नाम 'कड्डु छड्डु पार्टी' है, क्योंकि यह अपनी 'वॉशिंग मशीन' का उपयोग दूसरी पार्टियों के दागी नेताओं को साफ करने के लिए करती है। भाजपा चाहे कितने भी ढंग-तरीकों से कितने भी नेताओं को अपने पाले में ले ले, लेकिन पंजाब विरोधी मानसिकता के कारण पंजाब में उसका कोई आधार नहीं बन सकता। पंजाब को कमजोर करने की योजनाबद्ध कोशिश का पदार्फाश करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा पंजाब की दुश्मन है, जिसने ग्रामीण विकास कोष (आरडीएफ), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) फंड और अन्य योजनाओं के तहत सूबे के फंडों के हिस्से को रोक रखा है, जिससे सूबे के विकास कार्यों में बाधा पैदा हो रही है। पंजाब में कोई आधार न होने के कारण, भाजपा केंद्रीय एजेंसियों के उपयोग के जरिए हमारी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है। पंजाब और पंजाबी ऐसी घटिया चालों का कड़ा विरोध करेंगे और गद्दारों को अच्छी तरह सबक सिखाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश भर में भाजपा की राजनीतिक रणनीति क्षेत्रीय पार्टियों को कमजोर करने की रही है। भाजपा सिर्फ दूसरी पार्टियों को तोड़ना जानती है, क्योंकि इसके पास भरोसेमंद नेतृत्व की कमी है। उन्होंने ममता बनर्जी की पार्टी को तोड़ने की कोशिश की, उद्धव ठाकरे की पार्टी में फूट डाली और शरद पवार की पार्टी का भी यही हाल किया। नवीन पटनायक, दुष्यंत चौटाला और नीतीश कुमार जैसे नेताओं को भी इसी तरह की चालों से निशाना बनाया गया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने व्यंग्य करते हुए कहा कि राज्यसभा सदस्य, जो अब अपने निजी हितों के कारण 'आप' में घुटन महसूस कर रहा है, ने कोठी नंबर 50 में सत्ता का आनंद लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पहले दिन से ही आम आदमी पार्टी के पंजाब-पक्षधर और लोक-पक्षधर रुख के कारण उसे नुकसान पहुंचाने पर तुली हुई है। हमारे सदस्यों को खरीदने के लिए ऑपरेशन कमल शुरू किया गया था। भाजपा, जिसका पंजाब में कोई आधार नहीं है, ने दागी नेताओं को क्लीन चिट देने के लिए यहां अपनी 'वॉशिंग मशीन' का उपयोग शुरू कर दिया है।

आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों ने पार्टी से दिया त्यागपत्र

दो तिहाई सांसदों के साथ भाजपा में विलय की घोषणा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आआपा) में शुक्रवार को बड़ी फूट सामने आई है। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा समेत आआपा के 07 सांसदों यानी दो तिहाई ने पार्टी छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय करने की घोषणा की है। दिल्ली के कॉन्स्टीच्यूशन क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी छोड़ने की घोषणा के साथ भाजपा में विलय करने की घोषणा की।

राघव चड्ढा ने दावा किया कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं, जिनमें से दो-तिहाई से ज्यादा सदस्यों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। आज सुबह इन सभी 7 सदस्यों के हस्ताक्षरित पत्र और दस्तावेज राज्यसभा सभापति को सौंपे गए हैं। उनमें से तीन आपके सामने यहां मौजूद हैं। इनके अलावा हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी हैं। चड्ढा ने कहा आप कई सालों से मुझसे पूछते रहे कि मैं आम आदमी पार्टी की गतिविधियों में हिस्सा क्यों नहीं ले रहा था और उससे दूर क्यों दिख रहा था। उस समय मैंने कुछ नहीं कहा और हालात बेहतर होने का इंतजार करता रहा। लेकिन आज मैं इसकी असली वजह बताना चाहता हूँ, मैं उनके ह्यगुनाहोंह्ल में शामिल नहीं होना चाहता था। मैं उनकी दोस्ती के लायक नहीं था क्योंकि मैं उनके गलत कामों में भागीदार नहीं बना।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींचा, वह अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है। अब यह पार्टी देशहित में काम नहीं कर रही बल्कि अपने निजी स्वार्थों के लिए काम कर रही है। पिछले कुछ वर्षों से मुझे महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही इनसान हूं इसलिए आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी से दूरी बना रहा हूं और जनता के करीब जा रहा हूं। राघव चड्ढा के दावों के मुताबिक सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बाद आआपा के पास अब उच्च सदन में केवल 3 प्रतिनिधि रह गए हैं। जिसमें संजय सिंह, एनडी गुप्ता और बलबीर सिंह सिचेवाल शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक राघव चड्ढा, संदीप सिंह और अशोक मित्तल जल्द ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे। दलबदल विरोधी कानून के तहत, यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई या उससे अधिक सांसद या विधायक एक साथ पार्टी छोड़ते हैं तो उनकी सदस्यता रद्द नहीं होती है। यह प्रावधान संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है। राज्यसभा में भाजपा के 106 सदस्य हैं। आम आदमी पार्टी के सात सदस्यों के विलय के बाद यह संख्या 113 हो जाएगी।

आआपा ने इसी माह 2 अप्रैल को राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाते हुए सदन में उनके बोलने पर भी रोक लगा दी थी। उनके स्थान पर पार्टी ने सांसद अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद की जिम्मेदारी सौंपी थी।

इसी कार्रवाई से उठा तूफान पार्टी में बड़ी टूट का कारण बना है। कार्रवाई के अगले 3 अप्रैल को राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया के जरिए तीखा जवाब देते हुए कहा कि मैंने हमेशा संसद में जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया है, मैं वहां सरकार पर दबाव डालने के लिए हूं, हंगामा करने के लिए नहीं। उन्होंने फिल्मी अंदाज में उन्होंने कहा था, हर झूठ का पदार्फाश होगा क्योंकि मैं घायल हूं इसलिए घातक हूं। 2 अप्रैल की कार्रवाई से शुरू हुआ विवाद 22 दिनों में आआपा के लिए बड़े राजनीतिक संकट में बदल गया।

योगी सरकार का बड़ा फैसला : एक किलोवाट तक के उपभोक्ताओं का 30 दिन तक नहीं कटेगा कनेक्शन

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

- 2 किलोवाट वाले उपभोक्ताओं को भी राहत- 200 रुपये तक माइनस बिल पर नहीं होगी कटौती
- कनेक्शन काटने से पहले 5 एसएमएस भेजना अनिवार्य, उपभोक्ता हित सर्वोपरि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अहम कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने विद्युत उपभोक्ताओं के हित में बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि 1 किलोवाट तक के घरेलू विद्युत कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी गई है। अगर उनका बैलेंस नेगेटिव हो जाता है, तब भी 30 दिनों तक उनका बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है।

5-स्तरीय एसएमएस सूचना प्रणाली लागू की गई

ऊर्जा मंत्री ने साफ किया कि नेगेटिव बैलेंस की स्थिति में भी एक माह का चक्र पूरा होने से पहले किसी भी स्थिति में कनेक्शन विच्छेद नहीं किया जाएगा। साथ ही पारदर्शिता और उपभोक्ता सुविधा को ध्यान में रखते हुए कनेक्शन काटने से पूर्व उपभोक्ताओं को 5 अनिवार्य एसएमएस अलर्ट भेजे जाएंगे। जिससे उन्हें समय रहते भुगतान का अवसर मिल सकेगा। इसके साथ ही 02 किलोवाट के कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को भी राहत प्रदान की गई है। ऐसे उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन 200 रुपये तक के माइनस बैलेंस पर नहीं काटा जाएगा। इनके लिए भी 05 चरणों में एसएमएस सूचना प्रणाली लागू की गई है, जिससे किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

अब तक करीब 30 लाख नए बिजली खंभे लगाए जा चुके हैं

वहीं बढ़ती गर्मी को देखते हुए ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने सभी जिलों के अधिकारियों को विद्युत अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं। अब तक लगभग 30 लाख नए विद्युत खंभे स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही ट्रांसफार्मरों की क्षमता में भी व्यापक वृद्धि की गई है। ऊर्जा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में प्रदेश की जनता को बिजली की दृष्टि से किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। सरकार पूरी तरह से सजग है और निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस बार बंगाल के कुछ जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा : मोदी

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में इस बार कुछ जिलों में तृणमूल कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। पहले चरण के मतदान रुझान से जनता के बदलाव का स्पष्ट संकेत मिला है। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह दावा किया।

दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान हुआ है और अब 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण में यह रिकॉर्ड भी टूटना चाहिए। जनता तृणमूल कांग्रेस की हार सुनिश्चित करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जादवपुर विश्वविद्यालय के माहौल को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि परिसर के भीतर धमकियां दी जा रही हैं, दीवारों पर राष्ट्रविरोधी नारे लिखे जा रहे हैं और विद्यार्थियों को जुलूसों में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण सही नहीं है और उसे बचाने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य सरकार प्रदेश के सबसे बड़े शिक्षा केंद्र को सुरक्षित नहीं रख सकती, तो पूरे राज्य को कैसे संभालेगी।

प्रधानमंत्री के इस बयान पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि क्या मेधावी विद्यार्थियों के बारे में इस तरह की भाषा का प्रयोग उचित है। उन्होंने याद दिलाया कि जादवपुर विश्वविद्यालय को केंद्र सरकार की राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग प्रणाली में लगातार उच्च स्थान मिलता रहा है।

ममता बनर्जी ने कहा कि जादवपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपनी योग्यता के बल पर वहां पहुंचते हैं और ज्ञान, विचार तथा सवाल करने की क्षमता के साथ बाहर निकलते हैं। यह अराजकता नहीं, बल्कि शिक्षा और उत्कृष्टता है।

बारुईपुर की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने तृणमूल सरकार पर सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों की अनदेखी का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य के लिए कई कल्याणकारी और विकास योजनाएं शुरू कीं, लेकिन तृणमूल सरकार ने उनके क्रियान्वयन में बाधा डाली।

आगामी पांच मई को राज्य में भाजपा की सरकार बनने जा रही है : अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
हुगली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आगामी 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले चुनाव प्रचार अभियान तेज हो गया है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को हुगली जिले के कोन्नगर स्थित आलकाली मैदान में जनसभा को संबोधित किया।

अपने संबोधन की शुरूआत में अमित शाह ने स्थानीय मंदिरों और महान विचारक ऋषि अरविंदो घोष को नमन करते हुए भाषण की शुरूआत की। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान में भाजपा को 110 से अधिक सीटें मिलने का अनुमान है और आगामी पांच मई को राज्य में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

अमित शाह ने अवैध घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य से एक-एक घुसपैठिए को बाहर किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन्हें अपना वोट बैंक बना रखा है। साथ ही उन्होंने राज्य में कथित सिंडिकेट राज को समाप्त करने का भी वादा किया।

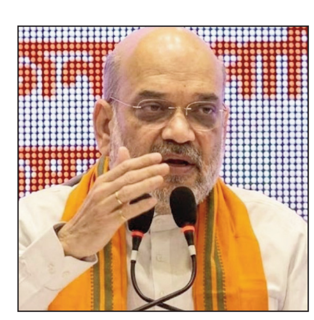

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने संदेशखाली, आरजीकर, दुर्गापुर और कोलकाता के विभिन्न मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि महिलाएं रात में भी सुरक्षित महसूस कर सकें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जनसभा में अमित शाह ने कई लोक-कल्याणकारी वादे भी किए। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर हर लड़की को स्नातक (ग्रेजुएशन) की पढ़ाई के लिए 50 हजार की आर्थिक सहायता दी जाएगी और गरीबों को पांच लाख तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

राम मंदिर के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मुगलों से लेकर ममता बनर्जी तक ने इसका विरोध किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंदिर का निर्माण संभव हो सका।

यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए हरियाणा में 91 एसटीपी कार्यरत: नायब सिंह सैनी

भूपेंद्र सैनी
चंडीगढ़

- मुख्यमंत्री ने यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की
- यमुना कैचमेंट एरिया में 5 साल में 41 एसटीपी लगाए, 11 नए एसटीपी का निर्माण प्रक्रियाधीन

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि साल 2027 के अंत तक यमुना नदी में एक भी बूंद गंदे पानी की न जाए। इसके लिए सभी विभाग मिलकर तेजी से कार्य करें और जहां आवश्यकता हो वहां नए औद्योगिक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (ईटीपी), सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तथा सामान्य अपशिष्ट उपचार केंद्र (सीईटीपी) लगवाए जाएं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में आयोजित एक बैठक के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यमुना में जाने वाले पानी को शुद्ध करने के लिए यमुना कैचमेंट एरिया में 1543 एमएलडी क्षमता के 91 एसटीपी संचालित किए जा रहे हैं जिनमें से 593 एमएलडी क्षमता के 41 एसटीपी पिछले 5 साल में तैयार करवाए गए हैं। आवश्यकता अनुसार 11 नए एसटीपी तैयार करवाए जा रहे हैं जिससे जलशोधन क्षमता बढ़ जाएगी।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन जे गणेशन ने बैठक में बताया कि कुछ औद्योगिक इकाइयों द्वारा खर्च बचाने के लिए औद्योगिक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र चलाए नहीं जा रहे हैं और दूषित पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि कई स्थानों पर औद्योगिक इकाइयों द्वारा दूषित अपशिष्ट को टैंकरों के माध्यम से गांवों के तालाबों में छोड़ने के मामले भी सामने आए हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक उद्योग अपने यहां उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट जल को संशोधित करके ही नालों में छोडें। नियमों की अवहेलना करने वाले उद्योगों पर कार्यवाही की जाए।

बैठक में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में कुछ ड्रेन के माध्यम से 211 एमएलडी अनुपचारित जल हरियाणा आता है जिसे हरियाणा द्वारा उपचारित करके वापस दिल्ली भेजा जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में दिल्ली की मुख्यमंत्री के साथ बैठक करके इस मामले का समाधान करवाया जाएगा कि दिल्ली द्वारा यमुना में केवल उपचारित जल ही डाला जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, श्री अनुराग अग्रवाल, श्री विजेंद्र कुमार, हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन श्री जे. गणेशन तथा सदस्य सचिव श्री योगेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नायब सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की नीट परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा 3 मई, 2026 को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) परीक्षा की तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाना हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, 26 अप्रैल को हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित एचसीएस एवं संबद्ध सेवाओं की परीक्षा के लिए भी पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। प्रदेशभर में नीट (यूजी) परीक्षा के लिए 175 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां 65,300 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के निकट अभिभावकों के ठहरने और पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो। यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को समय पर केंद्र तक पहुंचने में बाधा न आए। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी तथा जिला स्तर पर भी कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति परीक्षार्थियों को भ्रमित न कर सके।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह का भाजपा पर कड़ा प्रहार: महिला आरक्षण और अस्पताल स्थानांतरण पर राजनीति गरमाई

सीएम सुक्खू ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू न करने पर भाजपा को घेरा

केएनएच गायनी वार्ड शिफ्टिंग पर दी सफाई

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर तीखी बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को शिमला में मीडिया से मुखातिब होते हुए विपक्ष, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने महिला आरक्षण को लेकर हो रहे धरना-प्रदर्शन, कमला नेहरू अस्पताल से गायनी वार्ड के स्थानांतरण और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ दर्ज एफआईआर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखते हुए इसे भाजपा की 'राजनीतिक हताशा' करार दिया है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों को सीधे तौर पर राजनीतिक स्टंट करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (महिला आरक्षण विधेयक) को संसद में साल 2023 में ही पारित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने इस विधेयक का सदन के भीतर समर्थन किया था। ऐसे में, अब इस मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन करना पूरी तरह से औचित्यहीन है। मुख्यमंत्री ने भाजपा से तीखा सवाल पूछते हुए कहा, यदि भाजपा वास्तव में महिला आरक्षण को लागू करने के प्रति गंभीर है, तो उन्हें जनता को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इसे अब तक क्रियान्वित क्यों नहीं किया गया उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इसे 'परिसीमन' और सीटों की संख्या बढ़ने जैसे जटिल तकनीकी पहलुओं से जोड़कर लटका रही है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि महिला आरक्षण का मुद्दा पूरे देश में चर्चा का केंद्र है। वर्ष 2023 में ऐतिहासिक रूप से पारित इस कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। हालांकि, इसकी व्यवहारिक कार्यान्वयन प्रक्रिया जनगणना और परिसीमन के बाद ही शुरू हो पाएगी, जिस पर ही कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सरकार को घेरते रहे हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू का तर्क है कि इस तरह के प्रदर्शन केवल जनता का ध्यान मुख्य मुद्दों से भटकाने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब राज्य आपदा की स्थिति से गुजर रहा था या जब केंद्र से आर्थिक सहायता की मांग का प्रश्न था, तब भाजपा ने कोई बड़ा विरोध प्रदर्शन नहीं किया था, जो उनकी दोहरी मानसिकता को दशार्ता है। शिमला स्थित कमला नेहरू अस्पताल (केएनएच) से गायनी वार्ड को इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) अस्पताल में स्थानांतरित करने का निर्णय भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। इस फैसले के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों पर मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह प्रशासनिक निर्णय किसी की सुविधा या असुविधा के लिए नहीं, बल्कि मरीजों को 'बेहतर इलाज' प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि आईजीएमसी अस्पताल राज्य का प्रीमियर संस्थान है, जहाँ अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं, विशेषज्ञ डॉक्टर और उन्नत तकनीकी उपकरण उपलब्ध हैं। सरकार का मानना है कि गायनी वार्ड को आईजीएमसी में स्थानांतरित करने से गर्भवती महिलाओं और जटिल प्रसव के मामलों में बेहतर आपातकालीन सेवाएं सुनिश्चित की जा सकेंगी

नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप अग्निहोत्री की ताजपोशी नये अध्यक्ष के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

हरोली विधानसभा क्षेत्र के पालकवाह में कांग्रेस कार्यकताओं का एक सम्मेलन संदीप अग्निहोत्री के ब्लॉक कांग्रेस हरोली के नवनियुक्त अध्यक्ष बनने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर शक्ति प्रदर्शन किया। इस सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जबकि नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष संदीप अग्निहोत्री विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। पदभार संभालने के बाद यह उनका पहला बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन था।

कांग्रेसी कार्यकताओं ने एकजुटता का संदेश देते हुए नये ब्लॉक अध्यक्ष का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। सम्मेलन में पहुंचने पर कार्यकताओं ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और ब्लॉक अध्यक्ष संदीप अग्निहोत्री को फूल मालाओं से लाद दिया और जोरदार नारों के साथ उनकी ताजपोशी पर खुशी जताई। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने संदीप अग्निहोत्री की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि संदीप अग्निहोत्री एक मेहनती, ईमानदार और जुझारू नेता हैं, लेकिन किन्हीं कारणों के उन्हें ये ओहदा थोड़ा देरी से मिला है, लेकिन इन्होंने कांग्रेस पार्टी को हरोली में जमीनी स्तर पर मजबूती दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि पहले के ब्लॉक अध्यक्षों का कार्यकाल भी सराहनीय रहा है, अब हरोली की बागडोर संदीप अग्निहोत्री को मिली है। हमें आशा ही नही बल्कि पूरा विश्वास है कि ये सभी को अपने साथ लेकर चलेंगे। भाजपा पर तंज कसते हुए मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हमने हरोली उत्सव करवाया तो कई लोगों को इससे पीड़ा होने लगी। उन्होंने कहा कि अगले साल हरोली का मेला चार नही बल्कि सात दिनों का होगा। प्रदेश में कुल्लू का दशहरा, मंडी की शिवरात्रि, रामपुर का लवी, चंबा का मिंजर, मनाली का कार्निवाल होता है लेकिन किसी को कोई दिक्कत नही होती, लेकिन जैसे ही हरोली का मेला आता है तो लोग उसका विरोध करने में जुट जाते है।

उन्होंने कहा कि हरोली ने हमेशा ही विकास की राजनीति की है। कभी पत्थर होते थे आज पक्की सड़कें हैं, कभी पानी की दिक्कत थी आज करोड़ों की योजनाओं पर काम हो रहा है। वहीं संदीप अग्निहोत्री ने अपनी नई जिम्मेदारी के लिए आलाकमान और उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है उस पर पूरी ईमानदारी से काम किया जाएगा।

जयराम ठाकुर का कांग्रेस पर तीखा हमला 'नारी शक्ति वंदन' का विरोध अक्षम्य अपराध

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शुक्रवार को अपने गृह क्षेत्र सराज के थुनाग में महिलाओं के साथ रोष प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगी विपक्षी दलों की महिला विरोधी सोच पर जमकर प्रहार किया और कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन का विरोध करके इन दलों ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकार देने के पक्ष में नहीं हैं, जिसके लिए देश की मातृशक्ति उन्हें कभी क्षमा नहीं करेगी।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल एक गांधी परिवार तक ही सीमित होकर रह गई है और वह राजनीति के क्षेत्र में अन्य प्रतिभावान महिलाओं को आगे आने का अवसर प्रदान नहीं करना चाहती, यही कारण है कि दशकों के लंबे इंतजार के बाद मातृशक्ति को मिलने वाला आरक्षण का अधिकार आज कांग्रेस की महिला सशक्तिकरण विरोधी राजनीति की भेंट चढ़ गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ किया गया यह व्यवहार केवल नाइंसाफी नहीं बल्कि एक अक्षम्य अपराध है जिसे देश की जनता कभी नहीं भूलेगी। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी नारी शक्ति को उनके वास्तविक अधिकार दिलाने की अपनी प्रतिबद्धता और लड़ाई को निरंतर जारी रखेगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि महिला आरक्षण एवं परिसीमन विधेयक का विरोध करने के पश्चात कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने अपनी इस संकीर्ण मानसिकता पर जश्न भी मनाया, जो अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है।

गांव की महिलाओं के जज्बे से अवैध शराब के कारोबार पर चोट, दो तस्कर काबू

शिमला। जिला शिमला के जुब्बल क्षेत्र में महिलाओं की सतर्कता और साहस ने अवैध शराब तस्करी के एक मामले का पदार्फाश कर दिया। गांव झगटन के महिला मंडल की सदस्यों ने संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखते हुए पुलिस को सूचना दी। इसके बाद त्वरित कार्रवाई में दो तस्करों को पकड़ा गया। महिला मंडल झगटन की पहल पर गुरूवार देर शाम को थाना जुब्बल पुलिस टीम ने बडेश के पास एक कार को रोका, जो सवाड़ा बाजार की ओर से आ रही थी। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 7 पेटियों में कुल 84 बोतल अवैध देशी शराब बरामद हुई, जिनमें सुपर संतरा, नाटी नंबर-1 और संतरा नंबर-1 ब्रांड शामिल हैं। मौके से पुलिस ने शेर सिंह और इंद्र सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि इस संबंध में थाना जुब्बल में हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। इस पूरी कार्रवाई में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम रही। उनकी जागरूकता और हिम्मत ने न सिर्फ अवैध कारोबार पर चोट की, साथ ही यह भी दिखाया कि समाज की सुरक्षा में स्थानीय लोगों, खासकर महिलाओं की भागीदारी कितनी जरूरी है। पुलिस ने भी महिलाओं के सहयोग की सराहना की है और मामले में आबकारी अधिनियम के तहत जांच जारी है।

हिमाचल में यू-टर्न की राजनीति, मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर सवाल : सिकंदर कुमार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भाजपा के प्रदेश महामंत्री और सांसद सिकंदर कुमार ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री के फैसलों में बार-बार बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष और सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री को लेकर पलटू जैसे शब्द इस्तेमाल किए जा रहे हैं, जो सरकार की छवि को प्रभावित कर रहे हैं।

सिकंदर कुमार ने शुक्रवार को कहा कि हाल के समय में राज्य सरकार द्वारा लिए गए कई फैसले पहले लागू किए गए और फिर जनविरोध के बाद वापस ले लिए गए। उनके अनुसार इस तरह की स्थिति से यह संदेश जाता है कि सरकार बिना पर्याप्त तैयारी के निर्णय ले रही है और बाद में दबाव में आकर उन्हें बदल रही है। उन्होंने कहा कि इससे प्रशासनिक स्तर पर भी असमंजस की स्थिति बनती है और जनता में भरोसे पर असर पड़ता है। उन्होंने कुछ उदाहरण भी गिनाए, जिनमें कथित समोसा विवाद और उससे जुड़ी जांच, शहरी क्षेत्रों में शौचालय शुल्क लगाने का फैसला, 125 यूनिट मुफ्त बिजली से जुड़ी योजना में बदलाव की चर्चा, और कर्मचारियों के वेतन-पेंशन की तारीखों में प्रस्तावित परिवर्तन शामिल हैं। सिकंदर कुमार के अनुसार, इन मामलों में सरकार को विरोध के बाद अपने कदम पीछे खींचने पड़े। हाल ही में हिमाचल भवन दिल्ली, हिमाचल भवन चंडीगढ़ और शिमला के सर्किट हाउस के कमरों के किराए बढ़ाने का निर्णय भी विरोध के बाद वापस लेने का उदाहरण बताया गया। हालांकि, इस मुद्दे पर सरकार और उसके समर्थकों का नजरिया अलग बताया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि सरकार जनता की प्रतिक्रिया सुनकर अपने फैसलों में बदलाव करती है, तो इसे संवेदनशील नेतृत्व के रूप में भी देखा जा सकता है। लेकिन सिकंदर कुमार का मानना है कि बार-बार फैसले बदलना नेतृत्व की कमजोर पकड़ को दशार्ता है और इससे सरकार की विश्वसनीयता पर असर पड़ सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि आम लोगों के बीच यह धारणा बन रही है कि मुख्यमंत्री तक सही फीडबैक नहीं पहुंच रहा है, जिसके कारण सरकार को कई बार सार्वजनिक रूप से असहज स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय थुनाग, गोहर के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

मंडी। डॉ. वाई.एस. परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, औद्यानिकी एवं वानिकी, महाविद्यालय थुनाग, गोहर (गुढ़ेरी) 175028 , मंडी के 38 बीएससी (ऑनर्स) वानिकी के छात्रों के लिए एक शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण के अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन संस्थानों का दौरा करवाया गया जैसे की वन अनुसंधान संस्थानदेहरादून, पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार, पतंजलि योगपीठ चरण 1 , पतंजलि हर्बल गार्डन एवं अनुसंधान केंद्र, पतंजलि अनुसंधान फाउंडेशन, हरिद्वार । यह भ्रमण व्यावहारिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया था। इसके तहत, छात्रों को इन संस्थानों में वन उत्पाद प्रभाग, जाइलारियम, गैर-लकड़ी वन उत्पाद संग्रहालय और वनस्पति उद्यान, लकड़ी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा सेल्युलोज एवं कागज प्रौद्योगिकी से परिचित कराया गया। साथ ही, छात्रों को औषधीय और सुगंधित पौधों, जैव विविधत संरक्षण इकाई, हर्बल प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन इकाइयों के क्षेत्र से भी अवगत कराया गया। कॉलेज के वैज्ञानिक डॉ. सुनील मारपा और सहायक प्रोफेसर डॉ. बंदना धीमान भी इन छात्रों के साथ थे। उन्होंने बताया कि इस दौरे के दौरान छात्रों ने विशेषज्ञों से बातचीत की। इस अनुभवात्मक दौरे से छात्रों की वन उत्पादों और उनके उपयोग के क्षेत्र में विषयक समझ और व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि हुई है।

कालाअंब में भीषण सड़क हादस, टिप्पर की टक्कर से स्कूटी सवार 27 साल की युवती की मौत

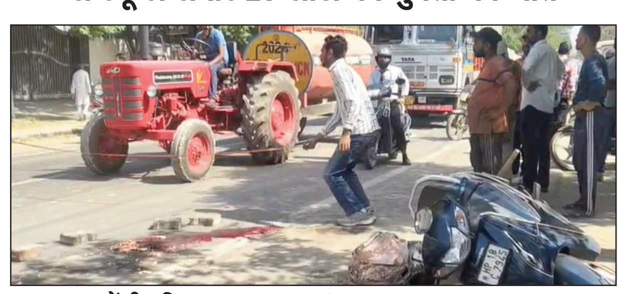

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब में शुक्रवार सुबह एक हृदयविदारक सड़क हादसा पेश आया, जिसमें एक युवती को अपनी जान गंवानी पड़ी। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9:30 बजे नाहन-कालाअंब मार्ग पर एक तेज रफ्तार टिप्पर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी सवार युवती ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक युवती की पहचान नैंसी तोमर उम्र 27 वर्ष (पुत्री गंभीर सिंह) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि नैंसी मूल रूप से मध्य प्रदेश की रहने वाली थी, लेकिन वर्तमान में उनका परिवार कालाअंब के मैनथापल क्षेत्र में रह रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूटी और टिप्पर दोनों वाहन नाहन से कालाअंब की ओर जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना घटी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस टीम मौके पर पहुँची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज नाहन भेज दिया है। पुलिस ने दुर्घटना के संदर्भ में मामला दर्ज कर लिया है और टिप्पर चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। एसपी सिरमौर निश्चित सिंह नेगी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मौके पर साक्ष्य जुटा लिए हैं और टिप्पर चालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

ममता मुख्यमंत्री नहीं, माफिया, जिहादियों और घुसपैठियों की कायदे आजम : अनुराग सिंह ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के तहत एंटली और हावड़ा उत्तर विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि माफिया, जिहादियों और घुसपैठियों की कायदे आजम के रूप में कार्य कर रही हैं। बंगाल की अस्मिता और संसाधनों की रक्षा के लिए टीएमसी सरकार का जाना और भाजपा सरकार का आना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव बांग्ला स्वाभिमान, बांग्ला संस्कृति और बंगाल के अस्तित्व की रक्षा का चुनाव है। लंबे समय से बांग्लादेशी घुसपैठ एक गंभीर समस्या बनी हुई है। कांग्रेस, कम्युनिस्ट और टीएमसी पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों ने योजनाबद्ध तरीके से घुसपैठ को बढ़ावा दिया, जिससे यह उनके लिए वोट बैंक बन गया। राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के बजाय भ्रष्टाचार और कट-मनी की राजनीति को बढ़ावा दिया गया, जिसके चलते कई मंत्री और नेता भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ्तार हुए हैं। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि पूर्व चुनावों में टीएमसी से जुड़े तत्वों द्वारा मतदान प्रक्रिया को प्रभावित किया जाता था, लेकिन इस बार भयमुक्त वातावरण में रिकॉर्ड मतदान हुआ है, जिससे बदलाव का संकेत स्पष्ट है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बहुमत के साथ सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। उन्होंने टीएमसी शासन को जंगलराज बताते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा व्यवस्था और रोजगार की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्था पर भ्रष्टाचार और माफिया का प्रभाव बढ़ा है तथा आम जनता को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। भाजपा को दिया गया प्रत्येक वोट कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा और राज्य में शांति व विकास सुनिश्चित करेगा। महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं के साथ हुए अत्याचारों को दबाया गया है और वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आने दिए गए।

एसपीयू मंडी का यूट्यूब चैनल हुआ प्रारंभ : आचार्य ललित कुमार अवस्थी

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी ने विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल का विधिवत शुभारंभ कुलपति सचिवालय में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में सूचना के त्वरित प्रसार के लिए ऐसे मंच अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विश्वविद्यालय का यह यूट्यूब चैनल विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा आम जनमानस तक विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की लाइव जानकारी पहुँचाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय की पारदर्शिता और संवादशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों, प्रकोष्ठों एवं विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस मंच का सकारात्मक उपयोग करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और गतिविधियों को व्यापक स्तर पर साझा करें। उन्होंने विश्वास जताया कि यह यूट्यूब चैनल विश्वविद्यालय और समाज के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करेगा तथा शैक्षणिक गतिविधियों को नई दिशा प्रदान करेगा। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार शर्मा, सह-अधिष्ठाता अकादमिक मामले एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग ने इस पहल को समयानुकूल बताते हुए कहा कि माननीय कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं प्रेरणास्पद नेतृत्व में प्रारम्भ किया गया।

मौसम हिमाचल के ऊना में पारा 41 डिग्री के पार, सीजन का सबसे गर्म दिन

सामान्य से 5 डिग्री ऊपर पहुंचा औसत तापमान

25 अप्रैल से आंधी-तूफान और बारिश के आसार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में इन दिनों गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है और अप्रैल के आखिर में ही तापमान ने लोगों को बेहाल कर दिया है। राज्य के निचले और मैदानी इलाकों में सूरज की तपिश इतनी तेज हो गई है कि लोगों का दिन में घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। शुक्रवार को प्रदेश का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे गर्म दिन माना जा रहा है।

सबसे ज्यादा गर्मी ऊना में दर्ज की गई, जहां तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और यह सामान्य से करीब 6 डिग्री ज्यादा रहा। इसके अलावा कांगड़ा में 37.1 डिग्री, सुंदरनगर में 36.3 डिग्री, मंडी में 36.2 डिग्री, बरठीं में 35.7 डिग्री, नाहन में 35.1 डिग्री, भुंतर में 34.5 डिग्री और सोलन में 33.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। पहाड़ी और पर्यटन स्थलों में भी गर्मी का असर साफ दिख रहा है। शिमला में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री और मनाली में 26.8 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि कल्पा में 24.5 डिग्री और ताबो में 21.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। पूरे प्रदेश का औसतन अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 5.1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया है। गर्मी के इस बढ़ते असर का असर आम जनजीवन पर भी दिखने लगा है। शिमला जैसे हिल स्टेशन में भी लोग धूप से बचने के लिए छाते और टोपी का सहारा लेते नजर आ रहे हैं, जबकि निचले इलाकों में दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा देखने को मिल रहा है। तेज गर्मी के कारण लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है और बिजली व पानी की मांग भी बढ़ने लगी है। हालांकि मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदल सकता है और लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। 25 अप्रैल को प्रदेश के कई हिस्सों में गरज के साथ आंधी-तूफान चलने की संभावना जताई गई है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और कुछ जगहों पर बिजली गिरने की भी आशंका है। मध्य पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश या हल्की बर्फबारी भी संभव है। इसके बाद 26 और 27 अप्रैल को ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिल सकती है। लेकिन यह राहत ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। 28 अप्रैल से फिर मौसम करवट लेगा और कई इलाकों में दोबारा आंधी-तूफान और तेज हवाओं का दौर शुरू हो सकता है। 29 और 30 अप्रैल को भी इसी तरह का मौसम बना रहने की संभावना है, जिसमें कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जैसे जिलों में 25 और 28 अप्रैल के आसपास विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, जहां तेज हवाओं और बिजली गिरने से नुकसान का खतरा रह सकता है।

संक्षिप्त-समाचार

श्रीनगर के हैदरपोरा के एक होटल की लिफ्ट में हुई दुर्घटना, बेंगलुरु से आए छह पर्यटक घायल

श्रीनगर। श्रीनगर के हैदरपोरा इलाके में एक होटल की लिफ्ट में हुई दुर्घटना में बेंगलुरु से आए छह पर्यटक शुक्रवार को घायल हो गए जिससे आतिथ्य प्रतिष्ठानों में सुरक्षा उपायों को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। यह घटना एक निजी होटल में हुई जहां पर्यटक ठहरे हुए थे। अधिकारियों के अनुसार लिफ्ट में खराबी आ गई और वह गिर गई जिससे उसमें सवार सभी छह लोग घायल हो गए। आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत कार्रवाई की और घायलों को तुरंत निकालकर इलाज के लिए बरजुल्ला के बोन एंड जॉइंट अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने पुष्टि की कि पीड़ितों को मुख्य रूप से पैरों और शरीर के निचले हिस्से में चोटें आई हैं। सौभाग्य से सभी छह की हालत स्थिर है और वे चिकित्सा निगरानी में हैं। घायल व्यक्तियों की पहचान घाटी घूमने आए एक पर्यटक समूह के सदस्यों के रूप में हुई है। अधिकारियों ने घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए प्रारंभिक आकलन शुरू कर दिया है। घायलों की पहचान मुनि थिम्मैया के पुत्र 65 वर्षीय विंकटेश, आर.एल. मूर्ति की पत्नी 54 वर्षीय डी. मंगुला और जयराम की पुत्री 18 वर्षीय कुशाला, पंकजा (16 वर्ष), वेंकटालक्ष्मम्मा (60 वर्ष, चिन्या की पत्नी) और सौभाग्या (60 वर्ष, विंकटेश की पत्नी)के रूप में हुई है। ये सभी बेंगलुरु की निवासी हैं और घटना के समय होटल में अस्थायी रूप से ठहरे हुए थे। इस घटना ने एक बार फिर सख्त सुरक्षा जांच और रखरखाव प्रोटोकॉल के महत्व को उजागर किया है

जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर राजस्व अधिकारी, वन रक्षक निलंबित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा और डोडा जिलों में कर्तव्य में कथित लापरवाही के लिए क्रमश एक राजस्व अधिकारी और एक वन रक्षक को निलंबित कर दिया गया है। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि सांबा जिले में उपायुक्त आयुषी सूदन ने बार-बार निर्देशों के बावजूद निर्धारित समय सीमा के भीतर राजस्व रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण को पूरा करने में विफलता के लिए 'गिरदावर' पंकज सिंह जामवाल को निलंबित करने का आदेश दिया। तहसीलदार बारी ब्राह्मण ने रिपोर्ट दी थी कि 8 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच पटवार हलका स्माइलपुर में कोई भी 'जमाबंदी' (भूमि के अधिकार का आधिकारिक रिकॉर्ड) डिजिटल नहीं किया गया था। आदेश में कहा गया कि अधिकारी का आचरण उसकी जिम्मेदारियों के निर्वहन में घोर लापरवाही और कर्तव्य की उपेक्षा को दशार्ता है। जांच लंबित रहने तक अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और उसे तहसीलदार सांबा के कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि विजयपुर के उपमंडलीय मजिस्ट्रेट को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है और उन्हें 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। अधिकारियों ने कहा कि डोडा जिले में भद्रवाह क्षेत्र में अवैध देवदार की लकड़ी ले जा रहे एक वाहन को जब्त करने के बाद वन विभाग के बीट गार्ड, मुश्ताक अहमद को भी निलंबित कर दिया गया है।

हिमाचल के उद्योगपति ने बद्रीनाथ मंदिर को दिए एक करोड़ एक लाख का दान

ऊना। हिमाचल के प्रख्यात उद्योगपति एवं दानवीर डॉक्टर महिंद्र शर्मा ने विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बद्रीनाथ केदारनाथ धाम को एक करोड़ एक लाख का दान दिया है। उन्होंने इस राशि का चेक विधिवत रूप से केदार नाथ मन्दिर परिसर में बद्री नाथ केदार नाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी को प्रदान किया। उन्होंने यह धनराशि पावन बद्रीनाथ और केदार नाथ के मंदिरों में श्रद्धालुओं को अति आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए दान दी ताकि सीमित सीजन में पूरे भारत वर्ष और विदेशों से आने वाले करोड़ों हिन्दुओं को ठहरने, भोजन और यात्रा के दौरान हर सम्भव सुविधाएं प्रदान की जा सकें।डॉक्टर महिंद्र शर्मा जो की बद्रीनाथ केदार नाथ मंदिर समिति के सदस्य भी हैं ने इससे पहले वर्ष 2018 में लगभग तीन करोड़ रुपए की लागत से केदार नाथ मन्दिर के गर्भगृह में चांदी का आवरण लगा कर पूरे परिसर को सुसज्जित किया था। केदार नाथ धाम में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान की गिनती में पारदर्शिता लाने के लिए हिमाचल के प्रसिद्ध उद्योगपति महिन्दर शर्मा द्वारा वर्ष 2023 में एक ग्लास हाउस दान किया गया है जोकि मन्दिर परिसर में स्थापित कर दिया गया है। इस ग्लास हाउस के निर्माण में उच्च गुणबत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया है ताकि यह केदारनाथ धाम में सर्दियों में शून्य से पचास डिग्री नीचे तक के तापमान पर भी क्रैक न हो और सर्दियों और गर्मियों में तापमान में भिन्नता को आसानी से सहन कर सके। महिंद्र शर्मा पावन वैष्णो देवी मंदिर में जुलाई 2024 से हर गुरुवार को तारकोट में पूरा दिन अटूट लंगर चलाते हैं। उन्होंने वर्ष 2020 में माता वैष्णो देवी में दरबार में भव्य दुर्गा भवन के निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए दान किया हैं।

महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा कर रही संविधान का अपमान : सुरेश कुमार

हमीरपुर। भाजपा पर जमकर हमला बोलते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं भोरंज विधायक सुरेश कुमार ने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण बिल के साथ देश के संविधान का अपमान कर रही है। शुक्रवार को हमीरपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक ने भाजपा पर तीखे प्रहार किए और कई गंभीर सवाल खड़े किए।विधायक सुरेश कुमार ने कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में संसद के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित हो चुका है और 16 अप्रैल को राजपत्र में नोटिफाई भी किया जा चुका है। इसके बावजूद भाजपा फिर से यह बिल ला रही है, जो संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल महिलाओं की हितैषी होने का ड्रामा कर रही है, जबकि देश में महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचारों पर भाजपा की चुप्पी साफ नजर आती है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

ज्योतिबा फुले समाज सेवा के नायक, बाबा साहेब के जीवन से लें कठिन परिस्थितियों में भी सफलता की सीख: नायब सैनी

दोनों महापुरुष एक ही सामाजिक चेतना की दो कड़ियां, शिक्षा को समाज सुधार का माना आधार, महात्मा फुले का अधूरा काम डा. अंबेडकर ने किया पूरा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प हैं। इसलिए हमें बाबा साहेब के जीवन से कठिन परिस्थितियों में भी सफलता की सीख लेनी और ज्योतिबा फुले के जीवन से समाज सेवा की प्रेरणा लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हरियाणा सिविल सचिवालय परिसर में कर्मचारी एवं अधिकारी संगठनों द्वारा आयोजित ज्योतिबा फुले एवं बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जंयती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों महापुरुषों के दिखाए रास्ते पर चलते हुए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा में डबल इंजन सरकार ने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं और नीतियां लागू कर गरीब व्यक्ति के उत्थान के लिए काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें इन महान विभूतियों के विचारों को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखना, बल्कि उन्हें अपने व्यवहार और नीतियों में भी उतार कर शिक्षा में असमानता, सामाजिक भेदभाव और आर्थिक विषमता जैसी समाजिक चुनौतियां का सामना करना हैं। इन सबका समाधान हमें इन्हीं महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलने से ही मिलेगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दोनों महापुरुषों के काम और विचार पर जब भी मंथन करेंगे तो पाएंगे कि महात्मा फुले जो काम अधूरा छोड़ गए थे, उन्हें डा. अंबेडकर ने न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि संविधान में प्रावधान करके उसे अंजाम तक पहुंचाया। इस तरह ये दोनों महापुरुष एक ही सामाजिक चेतना की दो कड़ियाँ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले और भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज के उस वर्ग के उत्थान में लगाया, जिसे सदियों तक उपेक्षित और वंचित रखा गया। इसलिए इन दोनों को ही दबे-कुचले अवाम की आवाज कहा जाता है। महात्मा ज्योतिबा फुले जी ने 19वीं शताब्दी में छुआछूत, अज्ञानता और अंधविश्वास का अंधकार मिटाने के लिए शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उन्होंने न केवल स्वयं शिक्षित होने का मार्ग अपनाया, बल्कि समाज में महिलाओं और उपेक्षित वर्ग को भी शिक्षा से जोड़ने का महान कार्य किया। ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नी श्रीमती सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर भारत का पहला बालिका विद्यालय शुरू किया, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने शिक्षा, समानता और न्याय को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाया। उन्होंने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का नारा दिया। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उद्घोष था। बाबा साहेब ने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी भी अपने उद्देश्य से विचलित नहीं हुए। उन्होंने भारत के संविधान का निर्माण कर देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक ढांचा दिया, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और समान अवसर सुनिश्चित किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले और बाबा साहेब के विचारों में एक अद्भुत समानता है। दोनों ने ही जाति-पाति एवं छुआछूत, असमानता, अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष किया। दोनों ने शिक्षा को समाज सुधार का आधार माना, दोनों ने दलित वर्गों से उस समय हो रहे सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। दोनों ने ही, एक ऐसे भारत का सपना देखा, जहां हर व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर मिलें। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा साहेब व ज्योतिबा फुले वंचित वर्गों की ही नहीं, महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिए भी समर्पित थे। वे समाज-सुधार के क्षेत्र में एवं पारिवारिक सुख शांति की दृष्टि से नारी-पुरुष दोनों को समान मानते थे। वे नारी-शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उनका मत था कि शिक्षा ही उनको आत्मनिर्भर बना सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को चुनौती दी, तो बाबा साहेब ने उन कुरीतियों को समाप्त करने के लिए एक मजबूत संवैधानिक ढांचा तैयार किया। यह कहना गलत नहीं होगा कि जहां महात्मा फुले ने सामाजिक चेतना का दीप जलाया, वहीं बाबा साहेब ने उस दीप को संविधान के माध्यम से प्रकाश स्तंभ में बदल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार ज्योतिबा फूले के मिशन का बाबा साहेब ने अनुसरण किया। उसी प्रकार बाबा साहेब के दिए मार्ग पर चल कर सरकार तेज गति से कार्य कर ही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गरीब परिवारों के लिए जो योजनाएं लेकर आते हैं उनमें बाबा साहेब के विचारों की झलक मिलती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार पंक्ति में खडे अंतिम व्यक्ति को मजबूत करने का कार्य कर रही है। इस प्रकार देश गति से आगे बढ रहा है और हर वर्ग के लिए कार्य हो रहा है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हर व्यक्ति को छत मुहैया करवाने के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 1.60 लाख मकान बनाकर दिए गए हैं। इसके अलावा 100-100 वर्ग गज के और 30-30 वर्ग गज के प्लॉट भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कर्मचारी एसोसिएशन की मांगों पर सहानुभूतिपूरक विचार करने का आश्वासन दिया। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब के बनाए संविधान से देश में लोकतंत्र चल रहा है और गरीब परिवारों को वर्तमान सरकार में उनका पूरा न्याय मिल रहा है। बाबा साहेब ने कहा कि मनुष्य शिक्षित बनकर ही तरक्की की ओर अग्रसर हो सकता है। इसलिए शिक्षा पर विशेष बल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब महिलाओं के सम्मान के लिए हिंदू कोड बिल लेकर आए। लेकिन वह बिल संसद में पारित नहीं हुआ। इससे आहत होकर उन्होंने कानुन मंत्री से त्याग पत्र दे दिया। बाबा साहेब महिलाओं के सम्मान के बड़े पक्षधर थे। कार्यक्रम के आयोजक एवं फेडरेशन के प्रधान श्री सत्यवान सरोहा ने मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक कपूर वाल्मिकी, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजाशेखर वुंडरू, सूचना एवं जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती वर्षा खांगवाल, सदस्य सचिव राज्य प्रदूषण बोर्ड श्री योगेश कुमार, अतिरिक्त सचिव गृह विभाग श्रीमती वन्दना दिसोदिया, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीन आत्रेय, प्रवीन मलिक, चरणजीत कौर, आनन्द कुमार, दीपेन्द्र मलिक, कमलेश कुमारी सहित भारी संख्या में सचिवालय के अधिकारी एंव कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पोर्टल की मॉनिटरिंग

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित पोर्टल की प्रभावी मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल पर रियल-टाइम डेटा अपडेट लगातार सुनिश्चित किया जाए ताकि हर स्तर पर निगरानी सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से नगर निकायों के प्रदर्शन का नियमित मूल्यांकन किया जाए और जहां कहीं भी कमियां पाई जाएं, वहां तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने अवगत कराया कि इस प्रकार की मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित करने वाला हरियाणा पहला राज्य है जहां ऑनलाइन माध्यम से पूरे प्रदेश में वेस्ट मैनेजमेंट की निगरानी की जा रही है। इस सिस्टम के तहत सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पोर्टल पर कचरा उठाने वाली गाड़ियों की लाइव ट्रैकिंग की जा रही है, जिससे कार्यों की निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है। मुख्यमंत्री ने स्वयं पोर्टल पर लाइव ट्रैकिंग सिस्टम का अवलोकन किया। इस पोर्टल पर नागरिक अपने क्षेत्र में कचरा उठाने वाले वाहनों की लाइव लोकेशन देख सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शहरी निकायों में शत-प्रतिशत घरों के बाहर आरएफआईडी टैग लगाए जाएं, ताकि कचरा संग्रहण की प्रक्रिया को डिजिटली ट्रैक किया जा सके। इससे न केवल कार्य में पारदर्शिता आएगी, बल्कि सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। इसके साथ ही, उन्होंने जीपीएस आधारित व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए, ताकि कचरा उठाने वाली गाड़ियों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही स्थायी रूप से सुनिश्चित की जा सकती है। इसके लिए नागरिकों को व्यापक स्तर पर जागरूक करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएं, जिसमें स्वच्छता के महत्व, कचरा प्रबंधन की सही प्रक्रियाओं और नागरिकों की भूमिका को स्पष्ट रूप से समझाया जाए।

उन्होंने कहा कि नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपील की जाए कि वे अपने घरों के बाहर लगाए गए आरएफआईडी टैग की देखभाल करें। यदि किसी क्षेत्र में घरों से कचरा नियमित रूप से नहीं उठाया जा रहा है, तो नागरिक तुरंत इसकी शिकायत ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करें, जिससे समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि आरएफआईडी के माध्यम से बिल कैलकुलेशन होगी और कचरा प्रबंधन से जुड़े वेंडर्स द्वारा बिल प्रस्तुत करते ही इसी पोर्टल के माध्यम से भुगतान होगा, जिससे वेंडर्स को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि स्थानीय म्युनिसिपल कमेटी स्तर पर जवाबदेही स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाए, ताकि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाए।

पर्यावरण संरक्षण में कुवि निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का कार्य कर रहा है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के दिशा निर्देशन में अत्यंत विस्तृत कार्ययोजना की गई थी जिसके तहत विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों में आगामी एक वर्ष के भीतर 75,000 पौधे लगाने का विशाल और ऐतिहासिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रस्ताव को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद में भी पारित किया जा चुका है। यह अभियान केवल प्रतीकात्मक पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे छात्रों के शैक्षणिक उत्तरदायित्व और चरित्र निर्माण के साथ पूरी तरह एकीकृत कर दिया गया है।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस मिशन की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक नवागंतुक विद्यार्थी को इस हरित अभियान का सक्रिय हिस्सा बनना अनिवार्य होगा। इसके अंतर्गत, एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्र को एक पौधा, दो वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम के छात्र को दो पौधे, और तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को तीन पौधे रोपने होंगे। इस पहल का सबसे अनूठा और तकनीकी पक्ष - डिजिटल मॉनिटरिंग है; प्रत्येक विद्यार्थी को अपने द्वारा लगाए गए पौधे की जियो-टैगिंग करनी होगी और समय-समय पर उसकी वृद्धि व देखभाल से संबंधित तस्वीरें विश्वविद्यालय के विशेष पोर्टल पर अपलोड करनी होंगी।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस मिशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक असंतुलन सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शुरू किया गया यह अभियान छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक रूप से प्रकृति का संरक्षक बनाएगा। जियो-टैगिंग जैसी तकनीक का उपयोग इसलिए किया जा रहा है ताकि लगाए गए पौधों की शत-प्रतिशत उत्तरजीविता सुनिश्चित की जा सके और उन्हें एक विशाल वृक्ष के रूप में विकसित होने तक पूरी सुरक्षा मिल सके। यह अभिनव प्रयोग न केवल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परिसर को एक सघन हरित क्षेत्र में तब्दील करेगा, बल्कि वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार और गिरते भूजल स्तर के संरक्षण में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा। प्रो. सचदेवा ने विश्वास व्यक्त किया कि 75,000 पौधों का यह संकल्प जब 75,000 जीवित वृक्षों में बदलेगा, तो यह - विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा योगदान होगा।

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में - प्रकृति मित्र की भावना जागृत की जा रही है, जिससे वे अपने जीवनकाल में पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नागरिक बनकर उभरें और समाज को एक स्वच्छ व स्वस्थ भविष्य प्रदान करें। यह विस्तृत योजना न केवल हरियाणा, बल्कि समूचे देश के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में देखी जा रही है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के थर्ड गेट के सामने होटल में आग, लाखों का नुकसान

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के थर्ड गेट के सामने नरेश बुक डिपो के समीप स्थित एक होटल में वीरवार देर रात भीषण आग लगने की घटना सामने आई है, जिसमें होटल का पूरा सामान जलकर राख हो गया। घटना में दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, होटल के मालिक ने बताया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट था, जिसके पीछे बिजली विभाग की लापरवाही बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि शाम करीब 6 बजेबिजली के तारों में स्पार्किंग हो रही थी, जिसकी शिकायत तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों को दी गई। शिकायत के बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तारों को ठीक कर देर शाम बिजली सप्लाई बहाल कर दी गई।

हालांकि, बिजली आने के कुछ ही समय बाद पड़ोसियों ने दुकान में शॉर्ट सर्किट और आग लगने की सूचना दी। इसके बाद रात 11:02 बजे डायल 112 और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

आरोप है कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड की टीम करीब 45 मिनट की देरी से मौके पर पहुंची। इतना ही नहीं, पहली फायर ब्रिगेड गाड़ी में पानी की पर्याप्त मात्रा नहीं होने के कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत आई और प्रेशर भी नहीं बन पाया। बाद में दूसरी गाड़ी रात 12:15 बजे पहुंची, लेकिन तब तक आग पूरी तरह फैल चुकी थी और होटल का सारा सामान जलकर राख हो गया।

इस घटना को लेकर बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ित दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। इस संबंध में शिकायतकर्ता कैलाश चावला ने पुलिस अधीक्षक को औपचारिक शिकायत दर्ज करवा दी है तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को भी शिकायत प्रेषित कर कार्रवाई की मांग की है।

डीएलएसए की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गांवों में आयोजित होंगे शिविर

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज के दिशा निदेर्शानुसार जिला में आम जनता में अवेयरनेस लाने के लिए लीगल अवेयरनेस कैंप लगाने का शेड्यूल तैयार किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस आमजन को नालसा व कानूनी सहायता व राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक करने के लिए एक शेड्यूल तैयार किया गया है जिसके अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी जिले के विभिन्न गांवों में जाकर शिविर लगाकर लोगों को जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि इस जागरूकता शिविर के दौरान 1 मई को नीलम रानी द्वारा गांव अढोन, अढोनी, अजराना कलां व अजराना खुर्द में शिविर लगाकर लोगों को नालसा व कानूनी सहायता के बारे में जागरूक किया जाएगा। इसी तरह 2 मई को गांव भिवानी खेडा, जोगना खेडा, दबखेडी में, 4 मई कोघराडसी, बारना, हथीरा, पिंडारसी, 5 मई को ज्योतिसर, कैंथला खुर्द, खींजरपुरा में नीलम रानी पैनल एडवोकेट द्वारा लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पैनल एडवोकेट हरपाल सिंह द्वारा 6 मई को गांव बण, बणी, बपदा व बपदी में, 7 मई को गांव बडौंदा, बडौंदी, भूत माजरा व लाडवा में, 8 मई को गांव बडशामी, सूरा, जंदहेडी, खेडी दबदलान में, 9 मई को गांव गुढा, गुढी, गजलाना, भालड में लोगों को शिविर लगाकर नालसा व कानूनी सहायता के विषय में जागरूक करेंगे। इसके साथ ही 11 मई को पैनेल एडवोकेट श्रीनिवास द्वारा गांव खैरा, खैरी, बोडला व अंटहेडी में, 10 मई का गांव मोरथला, कौलापुर, दुधला, व ईशरगढ़ में, 13 मई को गांव सिरसला, सिरसमा, सांवला व गांव उमरी में, 14 मई को गांव छारपुरा, मसाना, मुनियारपुर व मुकुरपुर में जागरूकता शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पैनल एडवोकेट कुलदीप अलयान द्वारा 15 मई को गांव बाबैन, गुहन, घराडसी, हमीदपुर में, 16 मई को गांव बुहावा, बुहावी, कालवा, बीड सुजरा में, 18 मई को गांव मुहावाखेडी, मंगौली जाटान, मंगौली रांगडान तथा नखरोजपुर में, 19 मई को गांव रामशरण माजरा, गांव संगघौर, सिम्बलवाल व सुनारिया में जागरूकता शिविर लगाया जाएगा। इसके साथ ही पैनल एडवोकेट अमित सहरावत द्वारा 20 मई को गांव जंदहेडी, डीग, यारा, यारी, 21 मई को गांव चढुनी जाटान, अटवान, हाबना, कतलहड़ी में, 22 मई को गांव छपरा, छपरी, दयाल नगर, खानपुर जाटान में, 23 मई को गांव कलसाना, कलसानी, झरौली खुर्द व गांव खैरा में जागरूकता शिविर लगाया जाएगा।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने अजय सूरा को राज्य सूचना आयुक्त के रूप में दिलाई शपथ

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने शुक्रवार को यहां लोक भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजय सूरा को राज्य सूचना आयुक्त के रूप में पद और निष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष तथा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने श्री अजय सूरा को उनकी नई भूमिका और जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष, शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्य सूचना आयुक्त श्री टी वी एस एन प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सी आई डी श्री सौरभ सिंह, राज्यपाल के सचिव श्री विजय कुमार सिद्दप्पा भाविकट्टी, राज्य सूचना आयुक्त श्री कर्मवीर सैनी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती वर्षा खांगवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण अत्रे, राज्यपाल के ए डी सी स्क्वाड्रन लीडर श्री पी. भरत तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में विकसित होगा खिलाड़ियों के लिए सिंथेटिक ट्रैक: प्रो सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (कुवि) खेलों के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि की ओर बढ़ते हुए खिलाड़ियों के लिए आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक विकसित करने जा रहा है। यह ट्रैक अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा, जिससे विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकेंगी।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि इस सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण से एथलेटिक्स से जुड़े खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए अत्याधुनिक मंच उपलब्ध होगा। इससे न केवल कुवि के खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर होगा, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी भी मजबूत होगी।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहले से ही खेलों के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बना चुका है। यहां के खिलाड़ियों ने

कुवि ने खेलों के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई अलग पहचान

विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। अब सिंथेटिक ट्रैक जैसी सुविधा जुड़ने से कुवि का खेल ढांचा और अधिक सुदृढ़ होगा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने देश को अब तक 16 अर्जुन अवॉर्डी, 5 द्रोणाचार्य अवॉर्डी तथा 9 पद्मश्री सम्मानित खिलाड़ी प्रदान किए हैं। यह उपलब्धियां विश्वविद्यालय की सुदृढ़ खेल संस्कृति और उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रमाण हैं।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस पहल को खिलाड़ियों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कुवि का उद्देश्य छात्रों को हर क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह परियोजना विश्वविद्यालय को खेलों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

भारत महिला सशक्तिकरण से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर अग्रसर: प्रो. असीम कुमार घोष

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि नारी शक्ति की अपार क्षमता को पहचानते हुए भारत अब धीरे-धीरे महिला सशक्तिकरण से आगे बढ़कर महिला-नेतृत्व वाले विकास की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा जैसे राज्यों में महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, जो महिलाओं में नेतृत्व क्षमता और उद्यमशीलता की बढ़ती भावना का प्रमाण है। राज्यपाल आज चंडीगढ़ स्थित मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन (एमसीएम डीएवी कॉलेज) के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला, श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं। छात्रों को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी । उन्होंने कहा कि नवाचार को प्रोत्साहित करने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और उद्यमशीलता को सशक्त करने में युवा स्नातकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एमसीएम डीएवी कॉलेज की छात्राएं महिला-नेतृत्व वाले विकास पर आधारित एक समृद्ध और प्रगतिशील भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी तथा अपने परिवार, संस्थान और राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगी।

स्नातक होने वाली छात्राओं को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए उनके निर्णय, परिश्रम और दृढ़ संकल्प ही उनके भविष्य को दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा असीम अवसरों के द्वार खोलती है—चाहे वह उच्च शिक्षा हो या पेशेवर जीवन—और सीखने की प्रक्रिया जीवनभर चलती रहती है। उन्होंने कहा कि सच्ची सफलता केवल उपलब्धियों में नहीं, बल्कि निरंतर आत्म-विकास में निहित है। राज्यपाल ने कॉलेज प्रबंधन को भी बधाई देते हुए कहा कि पिछले छह दशकों में इस संस्थान ने अनेक प्रतिभाशाली छात्राओं को तैयार किया है, जिन्होंने देश-विदेश में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कॉलेज की उस प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसके तहत संस्थान समग्र, मूल्यपरक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है—ऐसी शिक्षा जो छात्राओं को बौद्धिक रूप से सक्षम, नैतिक रूप से सुदृढ़, सामाजिक रूप से उत्तरदायी और आध्यात्मिक रूप से जागरूक नागरिक बनाती है। इस अवसर पर राज्यपाल ने संकाय सदस्यों को पीएच.डी. की उपाधियां प्रदान कीं। साथ ही पंजाब विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया तथा कॉलेज की शोध पत्रिका -न्यू होराइजन्स का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रीतम पाल; राज्यपाल के एडीसी स्क्वाड्रन लीडर पी. भरत; पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण डीन प्रो. योगेश कुमार रावल; एमसीएम डीएवी कॉलेज की प्राचार्या सुश्री नीना शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

सरकार ने खरीफ 2025 के लिए 370.52 करोड़ फसल मुआवजा किया मंजूर, 1.5 लाख से अधिक किसानों को मिलेगा लाभ

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों के लिए जो भी योजना बनाई जाएं, उनका सरलीकरण होना चाहिए। किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया में जो भी दिक्कत आई है, उन समस्याओं का निदान होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को सचिवालय में ई क्षतिपूर्ति के संबंध में समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन वित्त आयुक्त डॉ सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ यशपाल सिंह, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग आयुक्त एवं सचिव श्री जे गणेशन, कृषि विभाग के महानिदेशक श्री राज नारायण कौशिक भी मौजूद थे। बैठक के दौरान प्रदेश सरकार ने खरीफ 2025 फसल मुआवजा योजना के तहत 370.52 करोड़ रुपए जारी करने की मंजूरी भी दी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा स्वीकृत इस निर्णय से राज्यभर के 1.5 लाख से अधिक किसानों के खातों में सीधे राशि स्थानांतरित की जाएगी। यह स्वीकृत राशि उन दावों से संबंधित है, जो तकनीकी जांच के कारण पहले लंबित रखे गए थे, जिनमें डुप्लीकेट या समान फोटोग्राफिक साक्ष्य वाले मामले भी शामिल थे। मुआवजा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से जारी किया जा रहा है, जो मेरी फसल मेरा ब्यौरा प्रणाली से एकीकृत एक पारदर्शी और किसान-अनुकूल डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह प्लेटफॉर्म पंजीकरण, सत्यापन से लेकर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर तक पूरी प्रक्रिया का डिजिटलीकरण सुनिश्चित करता है, जिससे सटीकता, जवाबदेही और गति बनी रहती है। बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पहले चरण में सरकार ने 10 दिसंबर 2025 को 53,821 किसानों को 116.15 करोड़ रुपए जारी किए थे। अब 370.52 करोड़ रुपए की नई मंजूरी के साथ शेष 1.5 लाख से अधिक किसानों को यह राशि मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि पोर्टल पर आवेदन करने के बाद इस प्रणाली ने 5,500 से अधिक संदिग्ध प्रविष्टियों सहित अपात्र और फर्जी दावों को सफलतापूर्वक छांट दिया है, जिससे सार्वजनिक धन की सुरक्षा के साथ वास्तविक लाभार्थियों को उनका हक मिल सके। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विभागों को निर्देश दिए हैं कि मुआवजा राशि का भुगतान जल्द से जल्द किसानों के बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं के समय किसानों के साथ मजबूती से खड़े रहने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

संपादकीय

लोकतंत्र की विजय: पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु ने रचा इतिहास

भारतीय लोकतंत्र के लिए 23 अप्रैल 2026 का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं ने जो उत्साह और जागरूकता दिखाई, वह स्वतंत्र भारत के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के मतदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि दोनों राज्यों में आजादी के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया है। यह केवल एक संख्या नहीं है – यह उस जीवंत लोकतांत्रिक चेतना का प्रमाण है जो भारत के आम नागरिक के भीतर धड़कती है। तमिलनाडु में कुल मतदान प्रतिशत 85.14 फीसदी रहा, जबकि पश्चिम बंगाल ने रात 10:30 बजे तक 92.72 प्रतिशत का रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया। ये आँकड़े न केवल अपने आप में महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इन्हें ऐतिहासिक संदर्भ में देखा जाए तो इनका महत्व और भी बढ़ जाता है। 2011 के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में 84.72 प्रतिशत और तमिलनाडु में 78.29 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार के आँकड़े उन पिछले रिकॉर्डों को बड़े अंतर से पीछे छोड़ देते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मतगणना से पहले ही इस उपलब्धि पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा – 'पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आजादी के बाद से सर्वाधिक मतदान हुआ है – भारत निर्वाचन आयोग दोनों राज्यों के हर मतदाता को सलाम करता है।' यह वाक्य अपने आप में एक घोषणापत्र है – उस भारत का, जो लोकतंत्र को सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य मानता है। इस चुनाव की सबसे उल्लेखनीय और हृदयस्पर्शी बात यह रही कि दोनों राज्यों में महिला मतदाताओं ने पुरुषों से आगे रहकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तमिलनाडु में महिला मतदान प्रतिशत 85.76 रहा, जबकि पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 83.57 दर्ज किया गया। पश्चिम बंगाल में 92.69 प्रतिशत महिला मतदाता मतदान केंद्रों पर पहुँचीं, जबकि पुरुष मतदाताओं का यह आँकड़ा 90.92 प्रतिशत रहा। यह आँकड़ा इस बात का सबूत है कि भारतीय महिलाएं अब केवल रसोई और घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं – वे सक्रिय रूप से राष्ट्र निर्माण में भागीदार हैं और अपने मताधिकार को लेकर पूरी तरह जागरूक हैं। यह प्रवृत्ति न केवल प्रसन्नता का विषय है, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक परिवर्तन का संकेत भी है। जब महिलाएं बड़ी संख्या में मतदान करती हैं, तो इसका अर्थ है कि वे अपने जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती हैं। यह लोकतंत्र की असली ताकत है। इस मतदान की खासियत यह भी थी कि मतदाता कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने मताधिकार से पीछे नहीं हटे। तमिलनाडु में अप्रैल के इस महीने में तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, फिर भी मतदाता लगातार मतदान केंद्रों पर पहुँचते रहे। धूप और गर्मी की परवाह किए बिना लंबी-लंबी कतारों में खड़े होकर वोट डालने वाले इन नागरिकों ने यह साबित किया कि लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था किसी भी बाधा से बड़ी है। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में एक 85 वर्षीया वृद्ध महिला ने भी कतार में खड़े होकर मतदान किया यह दृश्य लोकतंत्र की उस भावना का जीवंत प्रतिनिधित्व करता है जो हर उम्र, हर वर्ग और हर पृष्ठभूमि के नागरिक में समान रूप से विद्यमान है। पश्चिम बंगाल में मतदान का यह रिकॉर्ड और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि वहाँ चुनावी माहौल पूरी तरह शांतिपूर्ण नहीं था। कुछ स्थानों पर तनाव की खबरें भी आईं, राज्य में लगभग 2.4 लाख केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी। इसके बावजूद मतदाताओं ने डर और दबाव को दरकिनार करते हुए मतदान केंद्रों का रुख किया। पश्चिम बंगाल के रघुनाथगंज विधानसभा क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 95.64 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जो किसी एकल निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक असाधारण आँकड़ा है। यह भागीदारी दर्शाती है कि नागरिकों ने अपने मत की ताकत को पहचाना है और वे अपने भविष्य का निर्णय खुद करना चाहते हैं। जब मतदाता भय और प्रलोभन को ठुकराकर अपने अधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय होती है। निर्वाचन आयोग की भूमिका और अभियान भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने इस रिकॉर्ड मतदान को SIR विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान की सफलता का प्रमाण बताया और कहा कि यह लोगों की चुनावी प्रक्रिया में आस्था का प्रतीक है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची को अद्यतन करने, नए मतदाताओं को जोड़ने और मतदान केंद्रों को सुलभ बनाने के लिए जो प्रयास किए, उनका सकारात्मक परिणाम इन आँकड़ों में स्पष्ट दिखता है। एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित चुनाव प्रक्रिया ही लोकतंत्र की नींव है और इस मामले में निर्वाचन आयोग की सराहना की जानी चाहिए। इन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम चाहे जो भी हों – 4 मई को मतगणना होनी है – लेकिन मतदान के इन आँकड़ों ने पहले ही एक महत्वपूर्ण संदेश दे दिया है। यह संदेश है – भारतीय नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग हैं। वे जानते हैं कि उनका एक वोट उनके और उनके परिवार के भविष्य को बदलने की ताकत रखता है। दुनिया के कई विकसित और विकासशील देशों में मतदान प्रतिशत गिरता जा रहा है। लोगों में राजनीति के प्रति उदासीनता और मोहभंग की स्थिति बन रही है। ऐसे में भारत के इन दो राज्यों ने पूरी दुनिया को यह दिखाया है कि जब नागरिक अपनी भूमिका को समझते हैं तो लोकतंत्र केवल कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर भी जिंदा रहता है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के मतदाताओं ने जो इतिहास रचा है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। बूढ़े-बुजुर्ग, युवा, महिलाएं, शारीरिक रूप से अशक्त – सभी ने मिलकर यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र की जड़ें इस देश की मिट्टी में गहरी हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने जब कहा कि 'निर्वाचन आयोग हर मतदाता को सलाम करता है' – तो यह केवल एक औपचारिक कथन नहीं था, यह उस विश्वास की अभिव्यक्ति थी जो भारत के लोकतंत्र में निहित है। इस उपलब्धि पर समूचे देश को गर्व होना चाहिए। यह सिर्फ दो राज्यों की जीत नहीं है – यह भारतीय लोकतंत्र की जीत है।

जानलेवा हो सकती है मलेरिया के इलाज में लापरवाही

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

मलेरिया एक गंभीर और कभी-कभी प्राणघातक हो जाने वाली बीमारी है, जो आमतौर पर एक निश्चित प्रकार के मच्छर को संक्रमित करने वाले परजीवी के कारण होती है और इन संक्रमित मच्छरों के काटने से मलेरिया होता है। अमेरिका से करीब 70 साल पहले ही मलेरिया को पूरी तरह खत्म घोषित कर दिया गया था लेकिन अभी भी प्रतिवर्ष दो हजार अमेरिकी इससे संक्रमित होते हैं। भारत में तो हर साल लाखों लोग मलेरिया से संक्रमित होते हैं। चिंता की स्थिति यह है कि दुनियाभर में मलेरिया से हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में समा रहे हैं, जिनमें ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चे मलेरिया से असमान रूप से प्रभावित होते हैं, जो मलेरिया से होने वाली कुल मौतों का करीब 82 प्रतिशत है। 2021 में मलेरिया से दुनियाभर में 6.19 लाख लोगों की मौत हुई थी जबकि 2022 में 6.08 लाख लोग मलेरिया के कारण मारे गए और 2024 में मलेरिया से 6.1 लाख मौतें दर्ज की गई।

हालांकि मलेरिया ऐसी बीमारी है, जिसकी रोकथाम करके बड़ी संख्या में होने वाली इन मौतों को रोका जा सकता है लेकिन यह दुनियाभर में रोकी जा सकने वाली बीमारी और मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। इसीलिए मलेरिया को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 2008 से ही 25 अप्रैल को एक खास विषय के साथ ह्यविश्व मलेरिया दिवस' मनाया जाता है।

इस वर्ष मलेरिया दिवस की थीम है- 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धः अब हम कर सकते हैं। अब हमें करना ही होगा।' इसका प्रमुख संदेश यही है कि मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना है। भेदभाव और कलंक को खत्म करना, स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में समुदायों को शामिल करना, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल को उस स्थान के करीब लाना, जहां लोग रहते हैं और काम करते हैं, मलेरिया के खतरे को बढ़ाने वाले कारकों को संबोधित करना, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में मलेरिया नियंत्रण हस्तक्षेप इत्यादि मलेरिया दिवस मनाने के प्रमुख उद्देश्य हैं।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर किसी को मलेरिया की रोकथाम, पता लगाने और इलाज के लिए गुणवत्तापूर्ण, समय पर और सस्ती सेवाओं का अधिकार तो है लेकिन यह सभी के लिए वास्तविकता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाभर में मलेरिया के बीस करोड़ से भी ज्यादा नए मामले दर्ज किए जाते हैं, जिनमें से कई लाख लोगों की हर साल मौत हो जाती है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मलेरिया की रोकथाम के मामले में बीते कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति तो हुई है लेकिन मलेरिया के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना अभी भी गंभीर चुनौती है। चिंता का विषय यह भी है कि प्रभावित क्षेत्रों में यह बीमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा बोझ भी डालती है।

मलेरिया एनोफेलीज मादा मच्छर के काटने से होता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होता है और जब यह मच्छर किसी को काटता है तो ये परजीवी मानव रक्त में प्रवेश करके लिवर तथा लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और व्यक्ति को बीमार बना देते हैं। इस रोग की गंभीरता परजीवी पर ही निर्भर करती है। मनुष्यों में सबसे आम मलेरिया परजीवी 'प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम' है, जो बीमारी के सबसे घातक रूप के लिए जिम्मेदार है। एनोफेलीज मच्छर वाहक के रूप में कार्य करते हैं, जब वे एक संक्रमित व्यक्ति को काटते हैं और फिर दूसरे व्यक्ति को काटते हैं तो परजीवियों को प्रसारित करते हैं। जब परजीवी एक बार मानव शरीर के अंदर यकृत में चले जाते हैं तो ये लाल रक्त कोशिकाओं के अंदर गुणन करते हैं, जिससे कई प्रकार के लक्षण पैदा होते हैं। मनुष्यों को मलेरिया के चार मुख्य प्रकार (प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम, प्लाज्मोडियम विवैक्स, प्लाज्मोडियम ओवले और प्लाज्मोडियम मलेरिया) संक्रमित करते हैं। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम सबसे खतरनाक प्रकार है जबकि मलेरिया के अन्य प्रकार आमतौर पर हल्की बीमारी का कारण बनते हैं।

गंभीर मलेरिया गंभीर एनीमिया, गुर्दे की विफलता, दौरे, कोमा और यहां तक कि मृत्यु जैसी जटिलताओं का कारण भी बन सकता है, खासकर यदि तुरंत निदान और इलाज नहीं किया जाए। हालांकि दुनियाभर में शोधकर्ता मलेरिया को नियंत्रित करने और अंततः खत्म करने के लिए टीकों और अन्य नवीन समाधानों पर काम कर रहे हैं लेकिन इसकी रोकथाम के मुख्य उपायों में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मच्छरदानी, कीट विकर्षक और मलेरिया-रोधी दवाओं का उपयोग करना शामिल है। जटिलताओं और मृत्यु को रोकने के लिए प्रभावी मलेरिया-रोधी दवाओं के साथ शीघ्र निदान और उपचार महत्वपूर्ण है।

मलेरिया होने पर आमतौर पर तेज बुखार होता है, जो 103 से 105 डिग्री तक हो सकता है। सिरदर्द, बदन दर्द, घबराहट, अत्यधिक पसीना आना, जी मिचलाना, उल्टी होना, अत्यधिक ठंड लगना, कमजोरी इत्यादि मलेरिया के अन्य प्रमुख लक्षण हैं। इन लक्षणों को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी खतरनाक हो सकता है। वैसे तो मलेरिया के लक्षण प्रायः 24 से 48 घंटे में ही नजर आ सकते हैं लेकिन कई बार लक्षण सामने आने में ज्यादा समय भी लग सकता है। मलेरिया की जांच से ही पता चल पाता है कि मरीज किस तरह के मलेरिया से ग्रसित है और उसी के आधार पर विभिन्न दवाओं से उसका इलाज शुरू किया जाता है। साधारण मलेरिया होने पर सही इलाज से मरीज 3-5 दिनों में ठीक हो सकता है लेकिन यदि सीवियर फाल्सीपेरम मलेरिया हुआ तो समय पर और सही इलाज नहीं कराने पर मरीज की मौत भी हो सकती है।

इसलिए बेहद जरूरी है कि मलेरिया की जांच और इलाज में कोताही न बरतें। गर्मी और मानूसन के दौरान मच्छरों की संख्या बहुत बढ़ जाती है, इसलिए आमतौर पर मलेरिया इन्हीं मौसम में सबसे ज्यादा होता है। वैसे मलेरिया के मच्छर अधिकांशतः उन्हीं जगहों पर पनपते हैं, जहां गंदगी होती है या गंदा पानी जमा होता है। इसलिए मलेरिया की रोकथाम के लिए सबसे जरूरी है कि अपने घरों में तथा आसपास गंदगी और गंदा पानी एकत्र न होने दें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज प्रेम संबंधों में हल्की नोकझोंक हो सकती है, इसलिए संवाद में संतुलन बनाए रखें। वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए संगीत या पसंदीदा गतिविधियों का सहारा लेना फायदेमंद होगा। दूसरों की सलाह को नजरअंदाज न करें, इससे लाभ मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: अचल संपत्ति से जुड़े मामलों में विवाद उभर सकते हैं। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रह सकती है। अपनी समस्याओं का समाधान खुद निकालना बेहतर रहेगा। खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए बजट पर नियंत्रण रखें। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: दोस्तों के साथ लंबी बातचीत से मन प्रसन्न रहेगा। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और सहयोगियों पर आपका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। स्वास्थ्य में सुधार देखने को मिलेगा। व्यापार में लाभ के अच्छे संकेत हैं। जीवनसाथी का सहयोग और स्नेह आज आपको विशेष महसूस कराएगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें, मौसम बदलने का असर महसूस हो सकता है। ससुराल पक्ष में हल्का तनाव संभव है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर गंभीर रहेंगे। बोलचाल में संयम रखें, कटु शब्द रिश्तों को प्रभावित कर सकते हैं। परिवार और जीवनसाथी की चिंता मन में रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

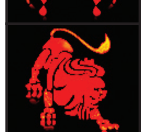
सिंह: व्यापार में अपेक्षित लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन रुके हुए काम फिर से गति पकड़ सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर महसूस करेंगे। अवकाश के लिए किया गया आवेदन स्वीकृत हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। लोगों की अपेक्षाएं आप पर दबाव बना सकती हैं, इसलिए काम को प्राथमिकता के अनुसार करें। एक साथ कई जिम्मेदारियां लेने से बचें। परिवार के कुछ सदस्य आलोचना कर सकते हैं। वायरल बुखार या कमजोरी से सावधान रहें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: व्यापारिक यात्रा लाभकारी सिद्ध हो सकती है। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। फिल्म या क्रिएटिव क्षेत्र से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। घर में खुशी और उत्सव का माहौल रहेगा। प्रेम संबंधों के लिए दिन अनुकूल है, प्रस्ताव रखने का सही समय है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: विदेश से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप से बचें। स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना भविष्य में समस्या दे सकता है। किसी भी काम को शुरू करने से पहले आत्मविश्वास जरूरी है। व्यापार में अनुभवी लोगों की सलाह फायदेमंद साबित होगी। *(सिटी दर्पण)*

धनु: व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे। ऑफिस में आपकी छवि मजबूत होगी। दांपत्य जीवन में चल रही समस्याएं सुलझ सकती हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी, जिससे उत्साह बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

मकर: नए काम की शुरूआत में जल्दबाजी न करें। यदि मन एकाग्र नहीं है तो खुद पर दबाव न डालें। गूढ़ विषयों और रहस्यों में रुचि बढ़ सकती है। अधिक मसालेदार भोजन से एसिडिटी हो सकती है। कुछ लोग आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं–सावधानी रखें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: व्यापारिक यात्रा के योग बन रहे हैं। आर्थिक समस्याओं में राहत मिल सकती है। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और नए विस्तार की योजनाएं बन सकती हैं। दोस्तों के साथ समय बिताने या पिकनिक पर जाने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

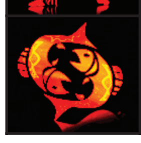
मीन: प्रशासनिक कार्यों से जुड़े लोगों को संतोष मिलेगा। किसी मित्र से निमंत्रण मिल सकता है। बातचीत के दौरान नकारात्मक बातें या चुगली करने से बचें। आपकी दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। परिवार में सुखद और सकारात्मक माहौल बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

विश्व मलेरिया दिवस : सतर्कता ही सुरक्षा-संकल्प ही समाधान

वैश्विक स्तर पर मलेरिया चुनौती पूर्ण संक्रामक बीमारी बनी हुई है। हर साल लाखों लोग मलेरिया के 'डंक' का शिकार होते हैं और हजारों जानें चली जाती हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। मौसमीय कारक, जिनमें गर्म जलवायु, मानसून और जलभराव के चलते मलेरिया हर साल एक गंभीर खतरे के रूप में सामने आता है। मलेरिया कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, बल्कि इसे थोड़ी से जागरूकता और सकर्तकता के चलते हराया जा सकता है। इसके साथ ही, आयुर्वेद के जरिये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ, मलेरिया की लड़ाई में भी मजबूती मिलेगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विश्व मलेरिया दिवस की स्थापना की, जोकि हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाता है। वर्ष 2026 में डब्ल्यूएचओ की ओर से 'मलेरिया को खत्म करने का संकल्प : अब हम कर सकते हैं-अब हमें करना ही होगा', की थीम निर्धारित की है। यानि थोड़ी सी जागरूकता, सतर्कता और तुरंत इलाज के जरिये मलेरिया को खत्म किया जा सकता है। आयुर्वेद में मलेरिया की 'विषम ज्वर' के रूप में पहचान की गई है। आयुर्वेद में मलेरिया को हराने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ इसे खत्म करने के तमाम उपाय, उपचार और सावधानियां निहित हैं।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संस्थान के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा और डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला मलेरिया उन्मूलन में अपना योगदान दे रहा है।

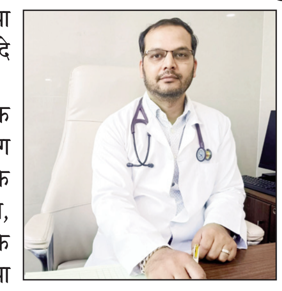
डॉ. गौरव गर्ग

आयुर्वेद में प्राकृतिक औषधीय के जरिये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ नियमित रूप से योग, प्राणायाम, संतुलित आहार के जरिये मलेरिया को खत्म किया जा सकता है। इसके साथ ही, आयुर्वेद तमें माना गया है कि रोकथाम ही सबसे बड़ा इलाज है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान विश्व मलेरिया दिवस की स्थापना की गई। यह दिवस अफ्रीका मलेरिया दिवस से विकसित हुआ, जिसे अफ्रीकी देशों द्वारा 2001 से पूरे महाद्वीप में मलेरिया के बढ़ते बोझ को उजागर करने के लिए मनाया जाता था। मलेरिया दुनिया के कई हिस्सों को प्रभावित करता रहा, इसलिए वैश्विक स्वास्थ्य नेताओं ने एक व्यापक मंच की आवश्यकता को पहचाना जो इस बीमारी की ओर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित कर सके। इसलिए, इस दिवस की शुरूआत सरकारों, स्वास्थ्य संगठनों और दुनिया भर के समुदायों के लिए मलेरिया की रोकथाम, निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित करने का एक एकीकृत अवसर बनाने के लिए की गई थी। मलेरिया मच्छरों से फैलने वाली बीमारी है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है, खासकर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में। संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलने वाले परजीवियों के कारण होने वाली यह बीमारी, यदि समय पर पहचान और उपचार न किया जाए तो गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है।

डब्ल्यूएचओ द्वारा विश्व मलेरिया दिवस पर, 'अब हम कर सकते हैं-अब हमें करना ही होगा', की जो थीम निर्धारित की गई है, वह वर्षों से मलेरिया के डंक को खत्म करने की एकजुटता और जागरूकता का आह्वान करती है यानी मलेरिया के मामलों को कम करने और जीवन बचाने के लिए निरंतर जागरूकता, निवारक कार्रवाई और मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियां आवश्यक हैं।

मलेरिया मुख्य रूप से संक्रमित मादा एनोफिलीस मच्छर के काटने से फैलता है। काटने के दौरान, मलेरिया परजीवी रक्तप्रवाह में प्रवेश करते हैं और शरीर में गुणा करना शुरू कर देते हैं, जिससे अंततः बीमारी हो जाती है। मलेरिया के संचरण का सबसे आम तरीका तब होता है जब एक संक्रमित मादा एनोफिलीस मच्छर किसी व्यक्ति को काटती है और मलेरिया के परजीवियों को रक्तप्रवाह में पहुंचा देती है। दुर्लभ मामलों में, संक्रमण इंजेक्शन के लिए इस्तेमाल की गई दूषित सुइयों के माध्यम से फैल सकता है।

मलेरिया के लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर के काटने के कुछ दिनों से लेकर कुछ हफ्तों के भीतर दिखाई देते हैं। यह बीमारी अक्सर फ्लू जैसे लक्षणों से शुरू होती है, जो इलाज में देरी होने पर धीरे-धीरे गंभीर हो सकते हैं, जैसे कि बुखार, कंपकंपी और पसीना आना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान, भूख न लगने के साथ मलेरिया से सांस लेने में भी कठिनाई हो सकती है।

मलेरिया से बचाव के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर सतर्कता जरूरी है। घर और आसपास पानी जमा न होने देना, मच्छरदानी का उपयोग करना, पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनना और मच्छर भगाने वाले उत्पादों का इस्तेमाल करना जैसे छोटे-छोटे उपाय इस बीमारी से बचाव में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इसके साथ ही, लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच और उपचार कराना भी उतना ही आवश्यक है।

मलेरिया के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार या स्वास्थ्य संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति की भागीदारी इसमें आवश्यक है। जागरूकता, स्वच्छता और समय पर उपचार ही इस बीमारी को जड़ से खत्म करने के सबसे प्रभावी उपाय हैं।

विश्व मलेरिया दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि अब समय केवल सोचने का नहीं, बल्कि करने का है। हमारे पास संसाधन हैं, ज्ञान है और संकल्प भी है। यदि हम सभी मिलकर प्रयास करें, तो मलेरियां के खिलाफ लड़ाई को आसानी के साथ जीता जा सकता है।

अमेरिका–भारत अंतरिक्ष सहयोग से अब व्यावसायिक साझेदारियां

जहूर हुसैन बट (हि.स)

अमेरिका-भारत अंतरिक्ष सहयोग का नया चरण आकार ले रहा है जो नीतिगत संवाद से कम और निजी क्षेत्र की सक्रियता से अधिक प्रेरित है। यह बदलाव बेंगलुरु में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां दोनों देशों के नीति-निमार्ता, उद्योग जगत के लीडर और उद्यमी व्यावसायिक अंतरिक्ष सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एकत्र हुए। अमेरिकी कांसुलेट, चेन्नई द्वारा आयोजित और यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के सहयोग से फरवरी 2026 में आयोजित अमेरिका-भारत स्पेस बिजनेस फोरम में दोनों देशों से 200 से अधिक सरकारी और उद्योग प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो व्यावसायिक संबंधों के विस्तार में गहरी रुचि को दशार्ता है।

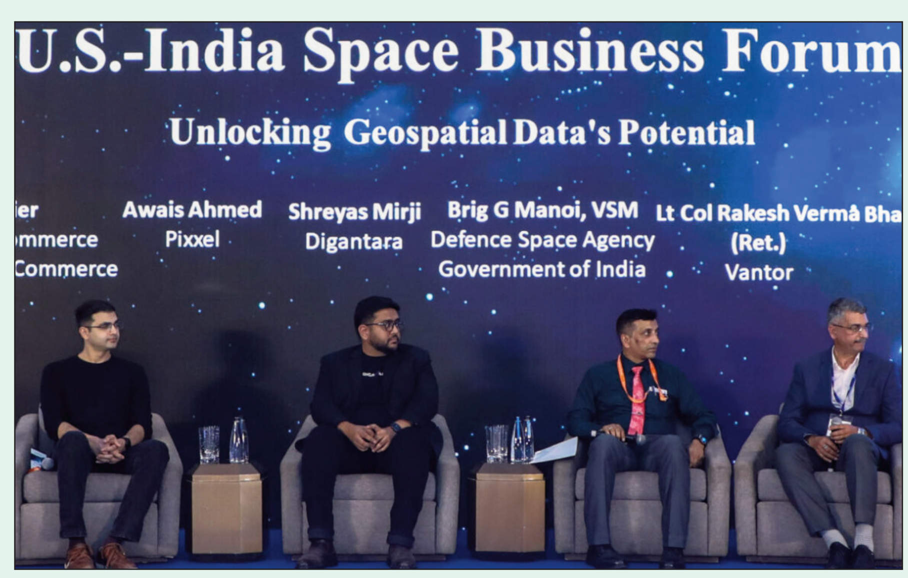

यह फोरम भारत के लिए पहले अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित अमेरिकी व्यापार मिशन का प्रमुख आयोजन भी था, जिसे अमेरिकी वाणिज्य विभाग और बिजनेस काउंसिल फॉर इंटरनेशनल अंडरस्टैंडिंग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें 14 प्रमुख अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनियों के 23 वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत का दौरा किया।

समन्वय से क्रियान्वयन तक

रणनीतिक समन्वय से व्यावसायिक क्रियान्वयन की ओर यह बदलाव उन लोगों के लिए पहले से ही स्पष्ट है जो इस जुड़ाव के केंद्र में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय एडिमिनिस्ट्रेशन के स्पेस कॉमर्स कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ रोज क्रोशियर इस फोरम को नीतिगत गति और उद्योग की तीव्र वृद्धि दोनों के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में देखती हैं। 'इस फोरम को प्रेरित करने वाले कई कारक थे लेकिन दो विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।' क्रोशियर कहती हैं, 'भारत के निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम का तेजी से परिपक्व होना और अमेरिकी तथा भारतीय नेतृत्व के बीच अभूतपूर्व रणनीतिक समन्वय।' वह बताती हैं कि भारत का अंतरिक्ष स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, जो अब 400 से अधिक कंपनियों का हो चुका है, उसने सबऑर्बिटल लॉन्च और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग जैसे क्षेत्रों में ठोस उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके अनुसार, इन विकासों ने अमेरिकी निजी क्षेत्र को भारत को एक प्रमुख साझेदार के रूप में पहचानने के लिए प्रेरित किया है।

क्रोशियर इस प्रगति को व्यापक ट्रस्ट पहल के संदर्भ में रखती हैं, जो 'दशकों से चले आ रहे सरकार-से-सरकार सहयोग से एक उत्पादक व्यावसायिक साझेदारी की ओर संक्रमण' को दशार्ती है। यदि उस ढांचे ने आधार तैयार किया तो वह जोड़ती हैं, 'यह फोरम व्यावसायिक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है, जो नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों को उद्योग की कार्रवाई और सीमा-पार निवेश में परिवर्तित करता है।'

यूएसआईएसपीएफ में भारत के लिए प्रबंध निदेशक निवेदिता मेहरा कहती हैं कि अमेरिका-भारत अंतरिक्ष संबंध अब नीतिगत संवाद से आगे बढ़ चुके हैं और क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं। 'कुछ वर्ष पहले, इस तरह की चर्चा मुख्य रूप से कॉन्फ्रेंस रूम और संयुक्त बयानों तक सीमित थी,' वह कहती हैं। 'आज, हम संयुक्त मिशनों, साझा प्लेटफार्मों और वास्तविक व्यावसायिक साझेदारियों को आकार लेते हुए देख रहे हैं।'

मेहरा जोड़ती हैं कि यह फोरम 'निवेश को खोलने, वाणिज्यिक जुड़ाव को विस्तार देने और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के निर्माण के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है जो दोनों देशों के लिए स्थायी आर्थिक मूल्य पैदा करता है।'

परस्पर पूरक शक्तियों का लाभ उठाना

क्रोशियर इस मिलन को 'एक नए बाजार' के उद्भव के रूप में वर्णित करती हैं। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय के असिटेंट सेक्रेटरी टेलर जॉर्डन के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए वह कहती हैं, 'हम अब केवल समानांतर अंतरिक्ष कार्यक्रमों वाले दो राष्ट्र नहीं हैं; हम दो ऐसे इकोसिस्टम हैं जो वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को परिभाषित करने के लिए एक साथ बुने जा रहे हैं।'

अमेरिका उन्नत प्रौद्योगिकियां, गहरे वेंचर कैपिटल नेटवर्क और परिपक्व व्यावसायिक अंतरिक्ष इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता है। वह कहती हैं, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, विश्वस्तरीय किफायती इंजीनियरिंग और तेजी से बढ़ता विनिर्माण आधार प्रदान करता है। स्पेस बिजनेस फोरम जैसी पहलें इन क्षमताओं के बीच पुल का काम करती हैं, जिससे प्रत्यक्ष सहयोग के अवसर पैदा होते हैं।

क्रोशियर बिजनेस-टू-बिजनेस मैचमेकिंग सत्रों को रेखांकित करती हैं, जहां 14 अमेरिकी कंपनियों के अधिकारियों ने भारत के स्टार्ट-अप्स के साथ संभावित सौदों और संयुक्त उपक्रमों पर चर्चा की। 'भारतीय सरकार, विशेष रूप से इसरो और इन-स्पेस की भागीदारी शानदार रही,' वह कहती हैं, 'जहां अंतरिक्ष व्यवसाय के लिए एक 'सक्षम वातावरण' बनाने पर चर्चा केंद्रित रही।'

मेहरा उद्योग के दृष्टिकोण से पूरक विचार प्रस्तुत करती हैं और 'दोनों पक्षों में वास्तविक तात्कालिकता और महत्वाकांक्षा की भावना' की ओर संकेत करती हैं। वह कहती हैं कि अमेरिकी कंपनियां भारत के विस्तारित निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम के साथ गंभीरता से जुड़ने के लिए तैयार होकर आईं, जबकि भारतीय कंपनियां तेजी से निर्यात के लिए तैयार हो रही हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकृत होने की दिशा में अग्रसर हैं। वह पृथ्वी अवलोकन, जियोस्पेशियल एनालिटिक्स, उपग्रह निर्माण और डाउनस्ट्रीम अनुप्रयोगों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत मिलन की भी ओर इशारा करती हैं।

अवसर से क्रियान्वयन तक

जैसे-जैसे जुड़ाव गहरा होता जा रहा है, क्रोशियर और मेहरा दोनों व्यापारिक रणनीति को नियामक ढांचे के साथ समन्वित करने की आवश्यकता पर जोर देती हैं। क्रोशियर कंपनियों को जल्दी कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। 'नीतिगत पूर्णता की प्रतीक्षा न करें; अभी से अपने संबंधों का निर्माण शुरू करें,' वह कहती हैं। बौद्धिक संपदा से जुड़े मुद्दों और निर्यात नियंत्रण के अंतर जैसी चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, वह बताती हैं कि दोनों सरकारें उद्योग की जरूरतों के प्रति तेजी से उत्तरदायी हो रही हैं।

'जो कंपनियां अभी विश्वास, गुणवत्ता और अनुपालन मानकों के निर्माण में निवेश करती हैं, वे उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होंगी,' मेहरा कहती हैं। वह उद्योग विकास को समर्थन देने में निरंतर संस्थागत जुड़ाव की भूमिका पर भी प्रकाश डालती हैं। सिविल स्पेस जॉइंट वर्किंग ग्रुप जैसे प्रयास द्विपक्षीय संवाद को आगे बढ़ाते रहते हैं, जबकि इंडस-एक्स और कॉम्पैक्ट जैसे ढांचे से नवप्रवतर्न संबंधों को मजबूत करने और निकट भविष्य में व्यावसायिक क्रियान्वयन को मदद की उम्मीद है।

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देना

क्रोशियर कहती हैं कि सार्थक प्रगति में 'बेहतर एकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाएं; समन्वित, स्पष्ट रूप से समझे जाने वाले और पूवार्नुमान हो सकने वाले नियम और अंतरिक्ष में तथा पृथ्वी पर साझा अंतरिक्ष इंफ्रास्ट्रक्चर' शामिल होगी।

वह जोड़ती हैं कि सफलता तब स्पष्ट होगी जब सीमा-पार सहयोग घरेलू प्रयासों के समान गति और दक्षता के साथ आगे बढ़ सकेगा। मेहरा इस बात पर जोर देती हैं कि वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का भविष्य सरकारों और उद्योग के बीच समन्वय पर निर्भर करेगा। 'जब सरकारें और उद्योग एक साथ कदम बढ़ाते हैं तो विस्तार संभव हो जाता है,' वह कहती हैं।

उनके दृष्टिकोण से प्रगति का आकलन वैश्विक अंतरिक्ष आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारतीय कंपनियों के एकीकरण की गहराई और ट्रस्ट, कॉम्पैक्ट और इंडस-एक्स जैसे ढांचों के ठोस परिणामों–जैसे संयुक्त उपक्रम, सह-विकसित प्रौद्योगिकियां और साझा इंफ्रास्ट्रक्चर–के माध्यम से कार्यान्वयन से किया जाएगा।

अमेरिका-भारत स्पेस बिजनेस फोरम केवल एक संगम का क्षण नहीं दशार्ता; यह इस बात में बदलाव को चिह्नित करता है कि दोनों देश अंतरिक्ष क्षेत्र में कैसे जुड़ते हैं। जैसे-जैसे नीतिगत ढांचे परिपक्व होते हैं और उद्योग संबंध गहरे होते हैं, ध्यान तेजी, पैमाने और साझा परिणामों पर अधिक केंद्रित होता जा रहा है। वास्तविक परीक्षा, जैसा कि क्रोशियर और मेहरा दोनों संकेत करती हैं, इस पर निर्भर है कि आगे क्या होता है- विचार कितनी तेजी से निवेश में बदलते हैं और जुड़ाव कितनी जल्दी परिचालन परियोजनाओं में परिवर्तित होता है। गति अब केवल संभावना के बारे में नहीं है; यह क्रियान्वयन के बारे में है।

पंजाब पुलिस का संपर्क अभियान युवाओं को गैंगस्टरों की अंधेरी दुनिया में शामिल होने के घातक प्रभावों के प्रति कर रहा जागरूक; लोगों ने कम्युनिटी पुलिसिंग पहल की सराहना की

तीन महीनों में 28 जिलों में 2800 से अधिक कार्यक्रम आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब पुलिस द्वारा शुरू किया गयासंपर्क अभियान–जिसके तहत पुलिस कर्मचारी राज्य के निवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनते हैं और उनका समाधान करते हैं–अब युवाओं को गैंगस्टरों की अंधेरी दुनिया के बारे में जागरूक करने के लिए एक खुला संवाद मंच बनता जा रहा है।इस अभियान के माध्यम से कम्युनिटी पुलिसिंग को बढ़ावा देते हुए नशे की समस्या से निपटने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

जिलों, गांवों और शहरों के स्तर पर नियमित संवाद से पुलिस को युवाओं के साथ खुलकर बातचीत करने का अवसर मिला है, जिससे उन्हें यह समझाने में सफलता मिली है कि गैंग किस तरह युवाओं को अपने जाल में फंसाकर उनका भविष्य बर्बाद कर देते हैं।

पंजाब सरकार के गैंगस्टरों ते वार मुहिम से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने पाया है कि गैंगस्टर युवाओं को जल्दी और आसान तरीके से पैसा कमाने, भौतिक सुख-सुविधाएं हासिल करने या विदेश बसाने के झूठे वादों के जरिए अपराध की ओर आकर्षित करते हैं–जो वास्तव में एक भ्रम होता है और जिसे कई युवा शुरूआत में समझ नहीं पाते।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि ये सत्र युवाओं को इन गंभीर खतरों की स्पष्ट तस्वीर दिखा रहे हैं, जिसका जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, युवा अपने भविष्य का निर्माण करने और राज्य के विकास में योगदान देने में सक्षम हैं, लेकिन वे आसानी से गुमराह हो जाते हैं। इन नेटवर्कों को चलाने वाले लोग अक्सर खुद दूर रहकर भर्ती किए गए युवाओं से अपराध करवाते हैं, जिनके परिणाम उन्हें भविष्य में भुगतने पड़ते हैं। इसलिए जरूरी है कि युवा समय रहते इस जाल को पहचानें और इससे दूर रहें। कई विद्यार्थियों पर इन सत्रों का गहरा प्रभाव पड़ा है।कंवलजीत कौर, जिसने हाल ही में एक सत्र में भाग लिया, ने इसे आंखें खोल देने वाला अनुभव बताया। उसने कहा, इससे हमें समझ आया कि गैंग कैसे भावुक युवाओं का फायदा उठाते हैं। अंत में नुकसान उसी व्यक्ति को होता है जो इसमें शामिल होता है।ऐसे सत्र जारी रहने चाहिए।पिछले वर्ष शुरू की गई इस पहल ने गांवों, कस्बों और शहरों के लोगों को पुलिस से जुड़ने, अपनी समस्याएं और चिंताएं साझा करने तथा आसानी से अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किया है। समय के साथ यह सीधा संवाद समुदायों में सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित कर रहा है। यह अभियान गैंगस्टरों ते वार मुहिम को भी मजबूत कर रहा है, जिसमें लोगों से मिली जानकारी पुलिस को स्थानीय चुनौतियों को बेहतर समझने में मदद कर रही है।वरिष्ठ अधिकारियों और फील्ड कर्मचारियों ने विद्यार्थियों, गांवों के सरपंचों और परिवारों के साथ बातचीत कर न केवल अपराध, बल्कि उसके व्यक्तियों और समाज पर पड़ने वाले गहरे प्रभावों पर भी चर्चा की है।

जैसे-जैसे ये सत्र दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं, लोगों की प्रतिक्रिया में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। कई लोग आगे आकर इस पहल की सराहना कर रहे हैं और ऐसे खतरों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता को स्वीकार कर रहे हैं। इस वर्ष जनवरी से अब तक 28 जिलों में 2800 से अधिक ऐसे सत्र आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया। सकारात्मक प्रतिक्रिया से पुलिस को इस प्रयास को और विस्तारित करने के लिए प्रोत्साहन मिला है।

अधिकारियों का मानना है कि यह पहल केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में विश्वास कायम करने और उन्हें बिना डर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित करने का भी प्रयास है।लोगों की निरंतर भागीदारी और जागरूकता के साथ यह प्रयास सुरक्षित और सशक्त पंजाब के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

हाल ही में मानसा पुलिस ने गुरु नानक कॉलेज, बुढलाडा (मानसा) में विद्यार्थियों और स्टाफ के साथ एक बैठक की, जिसमें लगभग 1500 लोगों ने भाग लिया। इस बैठक को बठिंडा रेंज के डीआईजी हरजीत सिंह (आईपीएस) ने संबोधित किया।इसी तरह, फाजिल्का के गांव करनी खेड़ा के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, सरपंचों और स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। एसएसपी फाजिल्का गुरमीत सिंह ने कहा, सीमावर्ती जिला होने के कारण युवाओं को विशेष रूप से सावधान किया गया कि वे नशा तस्करों और गैंगस्टरों के निशाने पर हो सकते हैं। उन्हें आसान पैसे, चकाचौंध या झूठी शोहरत के लालच में न आने की सलाह दी गई।

प्रतिभागियों को एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि जानकारी देने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा इनाम नीति लागू की गई है, जिसके तहत गैंगस्टरों और उनकी आपराधिक गतिविधियों के बारे में विश्वसनीय सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाती है और उन्हें पुरस्कृत भी किया जाता है।

जिला एंव सैशन जज ने यूनिक होम, जालंधर में बच्चों का सांझा जन्मदिन मनाया

सिटी दर्पण संवाददाता
जालंधर

एक नर्म और हमदर्दी भरा कदम उठाते हुए, श्री निरभऊ सिंह गिल, माननीय जिला एंव सैशन जज-कम-चेयरमैन, जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी जालंधर संस्था में रहने वाले बच्चों के सांझा जन्मदिन के जश्न में शामिल होने के लिए यूनिक होम, जालंधर पहुंचे।

उनके साथ श्री राहुल कुमार आजाद, सी.जे.एम.-कम-सेक्रेटरी, जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, जालंधर भी मौजूद थे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना और साथ ही कानूनी एंव सामाजिक सुरक्षा के तहत उनका कल्याण सुनिश्चित करना था।

यह दौरा जश्न के तौर पर मनाया गया, जिसमें श्री निरभऊ सिंह गिल और श्री राहुल कुमार आजाद ने बच्चों से बातचीत की। न्यायिक अधिकारियों ने बच्चों के साथ केक काटा। यह केक उन सभी बच्चों के प्रतीकात्मक जन्मदिन के तौर पर काटा गया जिन्हें अपनी जन्म तिथि के बारे में पता नहीं है।

समारोह के दौरान श्री निरभऊ सिंह गिल ने कहा, बच्चे हमारे भविष्य के समाज की रीढ़ की हड्डी है। यह हमारा सामूहिक नैतिक और कानूनी कर्तव्य है कि हम यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चा, चाहे उसके हालात कुछ भी हों, स्वंय को कीमती, प्यारा और सुरक्षित महसूस करे। इस दौरान माननीय जिला एंव सैशन जज ने यूनिक होम में बच्चों के रहन-सहन, खुराक और शैक्षिक सुविधाओं का जायजा भी लिया।

श्री राहुल कुमार आजाद ने 'कानूनी सेवाएं अथॉरिटीज एक्ट' के तहत उपलब्ध विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डीएलएसए मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने और केयर होम्स में रह रहे बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए वचनबद्ध है।

न्यायिक अधिकारियों ने यूनिक होम के प्रबंधकों के साथ बैठक की ताकि उनकी शिकायतों या जरूरतों को हल किया जा सके, जिनके लिए न्यायिक या प्रशासकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता हो सकती है।

यूनिक होम के प्रबंधकों ने न्यायिक अधिकारियों को अपना कीमती समय देने के लिए आभार व्यक्त किया। ऐसे दौरे न्यायपालिका और समाज के कमजोर वर्गों के बीच पुल का काम करते है।

इस मौके पर जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, जालंधर के सीनियर सहायक श्री जगन नाथ भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 40 लाख से अधिक लाभार्थी कवर, भगवंत मान सरकार ने जीवनरक्षक इलाज के लिए आर्थिक बाधाएं दूर कीं : डॉ. बलबीर सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब की स्वास्थ्य प्रणाली में जमीनी स्तर पर सकारात्मक और जीवनरक्षक परिणाम सामने आ रहे हैं।पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना एक निर्णायक कदम साबित हो रही है।इसके तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अब आर्थिक तंगी किसी भी मरीज के इलाज में बाधा न बने।

होशियारपुर का एक हालिया मामला इस बदलाव का प्रत्यक्ष प्रमाण है। संदीप सिंह, जिन्हें तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक हुआ था, को एम्स बठिंडा में भर्ती कराया गया, जहां उनका 32,300 रुपये का इलाज पूरी तरह योजना के तहत कवर किया गया। उनके पिता जगजीत सिंह ने कहा, खुशकिस्मती से हमने पहले ही स्वास्थ्य कार्ड बनवा लिया था। इससे इलाज का पूरा खर्च कवर हो गया। यह मामला दशार्ता है कि भगवंत मान सरकार की जनपक्षीय नीतियां किस तरह मेडिकल इमरजेंसी के दौरान परिवारों को अप्रत्याशित आर्थिक बोझ से बचा रही हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के मजबूत स्वास्थ्य तंत्र के सपने से प्रेरित होकर, मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत अब तक 40 लाख से अधिक लोगों का पंजीकरण हो चुका है। यह योजना सरकारी और निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक का रहित इलाज इलाज प्रदान करती है, जिसमें स्ट्रोक, सिर की चोट, दौरे और रीढ़ की हड्डी की चोट जैसी गंभीर न्यूरोलॉजिकल स्थितियां शामिल हैं। उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच बढ़ाकर सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा किसी विशेष वर्ग का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि पंजाब के हर नागरिक का अधिकार बने।

पंजाब भर के चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन), डायबिटीज जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के साथ-साथ सड़क हादसों और बढ़ती उम्र वाली आबादी के कारण न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसी के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे हालात में भगवंत मान सरकार की नीतियों के तहत मिल रही त्वरित चिकित्सा सहायता बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रही है, खासकर स्ट्रोक के मामलों में, जहां एक-एक मिनट जीवन और मृत्यु तय करता है। राजिंदरा अस्पताल के डॉ. हरीश कुमार ने बताया कि भगवंत मान सरकार का नकद रहित स्वास्थ्य मॉडल इमरजेंसी में कीमती समय बचा रहा है। उन्होंने कहा, कई मामलों में सर्जरी तुरंत शुरू कर दी जाती है, जबकि कागजी कार्रवाई बाद में पूरी की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि पैसों की व्यवस्था करने में समय बर्बाद न हो। यह बदलाव एक ऐसे प्रशासनिक मॉडल को दशार्ता है जो प्रक्रियागत देरी के बजाय मानव जीवन को प्राथमिकता देता है।

अस्पतालों के आंकड़े कैशलेस न्यूरोसर्जिकल दाखिलों में लगातार वृद्धि दशार्ते हैं, जो इस योजना पर बढ़ते भरोसे और पंजाब सरकार द्वारा इसके प्रभावी क्रियान्वयन को दशार्ता है। हालांकि विस्तृत डेटा अभी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है, लेकिन यह रुझान इसकी बढ़ती उपयोगिता और प्रभाव को स्पष्ट करता है।

तीसरे पातशाह श्री गुरु अमरदास जी के प्रकाश गुरपुरब को समर्पित 20वां महान राग दरबार 25 को: हरमीत सिंह कालका

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने जानकारी देते हुए बताया कि तीसरे पातशाह धन-धन श्री गुरु अमरदास जी के पावन प्रकाश गुरपुरब को समर्पित 20वां विशाल राग दरबार शनिवार, 25 अप्रैल 2026 को गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब, नई दिल्ली में अत्यंत श्रद्धा और भावनाओं के साथ आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह आध्यात्मिक रंगों से सराबोर महान कीर्तन समागम सुबह 6:00 बजे से रात 11:30 बजे तक लगातार जारी रहेगा, जिसके दौरान प्रसिद्ध रागी जत्थे और विद्वान कथावाचक गुरबाणी कीर्तन और गुरमत विचारों के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे।

इस महान राग दरबार में भाई हरदीप सिंह फतेहगढ़ साहिब, भाई परमजीत सिंह, भाई गुरप्रीत सिंह जी जवद्दी टकसाल, सिंह साहिब ज्ञानी रणजीत सिंह जी (हेड ग्रंथी गुरुद्वारा बंगला साहिब), भाई बलदीप सिंह उस्ताद परमिंदर सिंह भमरा तथा श्री हरिमंदर साहिब के हजूरी कीर्तनिये भाई अमनदीप सिंह अपने कीर्तन जत्थों सहित उपस्थित होकर गुरबाणी कीर्तन और कथा-विचार के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे। सरदार हरमीत सिंह कालका ने समस्त संगत से अपील की कि वे इस महान आध्यात्मिक समागम में बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी हाजिरी लगवाएं और गुरु महाराज की कृपा प्राप्त करें। उन्होंने यह भी बताया कि इस विशाल राग दरबार की सफलता के लिए सरदार भूपिंदर पाल सिंह गुवाहाटी द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

सरदार कालका ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि देश-विदेश में बैठी संगत की सुविधा के लिए इस महान राग दरबार का सीधा प्रसारण दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वेबसाइट, कमेटी के फेसबुक पेज, यूट्यूब चैनल, चढ़दी कला टाइम टीवी, जीएसपीएस लाइव कीर्तन प्रधान, बाणी डॉट नेट, अकाल सहाय गुरबाणी, केसरी कनेक्ट और अनम्यूट चैनल के माध्यम से किया जाएगा, ताकि विश्वभर की संगत इस आध्यात्मिक रस से भरपूर समागम से जुड़ सके।

पंजाब पुलिस के हस्तक्षेप के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जी5 को लॉरेंस ऑफ पंजाब रिलीज न करने के निर्देश दिए

- **दस्तावेजी सीरीज में संगठित अपराध को बढ़ावा देने की संभावित क्षमता सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचा सकती थी : डीजीपी गौरव यादव**
- **डीजीपी पंजाब द्वारा शांति और जन व्यवस्था की रक्षा हेतु त्वरित कार्रवाई के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का धन्यवाद**

सीटि दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने और सही एवं जिम्मेदार कंटेंट के प्रसारण को सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जी5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को एक एडवाइजरी जारी कर लॉरेंस ऑफ पंजाब शीर्षक वाली डॉक्यूमेंट्री (दस्तावेजी सीरीज) रिलीज न करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

यह कार्रवाई विशेष डीजीपी साइबर क्राइम वी. नीरजा द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के समक्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 69ए(1) के तहत कंटेंट की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने की मांग उठाए जाने के बाद सामने आई है। इसमें जन

व्यवस्था पर इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला दिया गया था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि विभिन्न आंतरिक जानकारियों के अनुसार इस डॉक्यूमेंट्री में शामिल नाटकीय चित्रण, वास्तविक जीवन फुटेज और विशिष्ट विवरण संगठित अपराध तथा खतरनाक अपराधियों को महिमामंडित करने का बड़ा जोखिम पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे चित्रण युवाओं को गुमराह कर सकते हैं और राज्य में कठिन प्रयासों से कायम की गई शांति तथा कानून-व्यवस्था को भंग कर सकते हैं।

इन रिपोर्टों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से संपर्क किया, जो भारत में ओटीटी सामग्री के लिए नामित नोडल एजेंसी है। डीजीपी ने कहा कि पूरी सामग्री की गहन जांच के बाद मंत्रालय ने मामले पर सहमति जताते हुए जी5 को एडवाइजरी जारी कर अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर यह कंटेंट जारी न करने के निर्देश दिए हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि हम जिम्मेदार सामग्री के प्रसार को सुनिश्चित करने और राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने के लिए त्वरित हस्तक्षेप करने पर भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का धन्यवाद करते हैं।

पंजाब पुलिस के रुख की पुष्टि करते हुए डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस हर कीमत पर शांति, जन व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की कोशिश करने वाली किसी भी सामग्री से कानून के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब सरकार एनआरआई पंजाबियों की समस्याओं के समाधान के लिए महीने में दो बैठकें करेगी: डॉ. रवजोत सिंह

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने विदेशों में बसे पंजाबियों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महीने में दो एनआरआई बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है। आज यहां पंजाब सिविल सचिवालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक के उपरांत यह जानकारी देते हुए एनआरआई मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि हर महीने के दूसरे बुधवार को ऑनलाइन बैठक आयोजित की जाएगी, जबकि महीने में एक बार डिवीजन स्तर पर भौतिक/ फिजिकल बैठक होगी। एनआरआई मंत्री ने बताया कि ये बैठकें मालवा-1, मालवा-2, माझा और दोआबा डिवीजनों के अनुसार आयोजित की जाएंगी, ताकि हर क्षेत्र के एनआरआई पंजाबी अपनी समस्याएं दर्ज करवा सकें और उनका समाधान प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन बैठक के लिए आवेदन निर्धारित तिथि से तीन दिन पहले तक स्वीकार किए जाएंगे और बैठक वाले दिन ही उनका निपटारा किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य एनआरआई पंजाबियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर एनआरआई मामलों के सचिव श्री वी.एन. जाडे, जालंधर के डिविजनल कमिश्नर एवं सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के सचिव श्री रामवीर, विशेष सचिव एनआरआई मामले श्रीमती अमनदीप कौर, एडीजीपी एनआरआई मामले श्री आर.के. जैसवाल तथा एआईजी श्री अजिंदर सिंह भी उपस्थित थे।

गुरचरण सिंह ने 35वीं बार किया रक्तदान

चंडीगढ़। संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में मानव एकता दिवस के उपलक्ष्य में संत निरंकारी चेरीटेबल फाउंडेशन की तरफ से निरंकारी भवन सेक्टर-30 चंडीगढ़ में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया, इस मौके पर भारी संख्या में इस फाउंडेशन से जुड़े सदस्यों ने हिस्सा लेकर मानव सेवा की मिशाल कायम कौ इस मौके पर समाजसेवी गुरचरण सिंह, जो पिछले 30 सालों से लगातार रक्त दान करते आ रहे हैं, हमेशा की भाँति इस साल भी उन्होंने 35वीं बार रक्तदान किया और संकल्प लिया कि सतगुरु माता सुदिच्छा जी का आशीर्वाद रहा तो आगे भी ऐसी सेवा करते रहेंगे उन्होंने कहा कि वे लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता है, बल्कि शरीर को लाभ मिलता है और व्यक्ति निरोग रहता है।

नेक्सस एलांते लेकर आ रहा है अनहद नाद - द हीलिंग इंडिया टूर चंडीगढ़ में

चंडीगढ़। चंडीगढ़ का प्रमुख रिटेल और एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, नेक्सस एलांते, 25 अप्रैल 2026 को अनहद नाद - द हीलिंग इंडिया टूर की मेजबानी करने जा रहा है। यह शिवोहम द्वारा प्रस्तुत एक इमर्सिव लाइव अनुभव होगा, जो अपनी शैली को परिभाषित करने वाला फ्यूजन बैंड है। प्राचीन आध्यात्मिक ध्वनियों को समकालीन संगीत ऊर्जा के साथ मिलाते हुए, शिवोहम ने पूरे भारत में एक खास पहचान बनाई है, विशेष रूप से जेन जी और मिलेनियल दर्शकों के बीच, जो आजकल अपनी जड़ों से जुड़े और आत्मिक अनुभवों की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। यह पहल अककॉम्ब्लीस, बिग बॉस इवेंट्स और ईडब्ल्यू कंपनी के सहयोग से की गई है। बैंड का भक्ति की गहराई और आधुनिक वाद्ययंत्रों का अनोखा मेल हर पीढ़ी के दिल को छू गया है। ह्यअनहद नादह्न पारंपरिक अर्थों में सिर्फ एक कॉन्सर्ट नहीं है–यह एक अनुभव है। यह एक ऐसी शाम है, जिसे ध्वनि की शक्ति के माध्यम से उपचार, उन्नयन और पुनः जुड़ाव के लिए तैयार किया गया है। यह आयोजन इस सीजन में चंडीगढ़ की सबसे चर्चित सांस्कृतिक शामों में से एक होने का वादा करता है। यह एक टिकट आधारित कार्यक्रम है, जिसमें सीमित प्रवेश उपलब्ध है।

पहले चरण के तहत 30 अप्रैल से 14 मई 2026 तक स्वयं-गणना और 15 मई से 13 जून 2026 तक घर-घर जाकर गणना

दो चरणों में होगी जनगणना–2027 : डॉ. नवजोत खोसा, आईएएस, निदेशक जनगणना

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

24 अप्रैल 2026 को डॉ. नवजोत खोसा, आईएएस, निदेशक, जनगणना संचालन निदेशालय, पंजाब एवं यूटी चंडीगढ़ और श्री मनजीत सिंह बराड़, आईएएस, प्रशासनिक सचिव, स्थानीय निकाय विभाग, पंजाब द्वारा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इसमें मीडिया को जनगणना 2027 के पहले चरण (हाउस लिस्टिंग और आवासीय जनगणना) के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई और स्वयं-गणना की शुरूआत पर विशेष जोर दिया गया।

भारत में जनगणना, जनगणना अधिनियम 1948 और जनगणना नियम 1990 के तहत की जाती है। जनगणना 2027 देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी, जबकि 2021 की जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। इस दौरान बताया गया कि जनगणना डेटा सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या से जुड़ी जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत होता है, जो विकास योजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में 30 अप्रैल 2026 से 14 मई 2026 तक स्वयं-गणना होगी, जबकि 15 मई से 13 जून 2026 तक घर-घर जाकर गणना की जाएगी। दूसरे चरण में 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक जनसंख्या गणना की जाएगी। पहला चरण आवास, सुविधाओं और संपत्तियों से संबंधित जानकारी पर केंद्रित होगा, जो दूसरे चरण के लिए आधार तैयार करेगा। डॉ. नवजोत खोसा ने बताया कि जनगणना 2027 पहली बार डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए की जाएगी। इसके साथ ही ऑनलाइन पोर्टलके माध्यम से स्वयं-गणना की सुविधा भी उपलब्ध होगी। लोग निर्धारित समय में अपने विवरण भरकर एक यूनिक सेल्फ-एन्यूमरेशन रेफरेंस आईडी प्राप्त कर सकेंगे, जिसे फील्ड वेरिफिकेशन के दौरान गणनाकार को दिखाना होगा। उन्होंने बताया कि जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली के जरिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी और हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों के निर्माण के लिए वेब-आधारित मैपिंग का उपयोग किया गया है। राज्य नोडल अधिकारी श्री मनजीत सिंह बराड़ ने बताया कि इस प्रक्रिया के लिए व्यापक प्रशासनिक तैयारियां की गई हैं। पूरे राज्य में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक बनाए गए हैं और लगभग 67,000 गणनाकारों और सुपरवाइजरों (रिजर्व सहित) की नियुक्ति की गई है।

उन्होंने बताया कि जनगणना कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया गया है। पंजाब में 52 मास्टर ट्रेनर (36 राज्य से और 16 डीसीओ पंजाब से) और 932 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। 16 अप्रैल से 9 मई 2026 तक राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर गणनाकारों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके। मीडिया की भूमिका पर जोर देते हुए कहा गया कि मीडिया लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। इसे जागरूकता फैलाने, जनभागीदारी बढ़ाने और खासकर डिजिटल जनगणना व डेटा गोपनीयता से जुड़ी गलत जानकारी का मुकाबला करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

लोगों से अपील की गई कि वे जनगणना में सक्रिय भाग लें, सही जानकारी दें और गणनाकारों को पूरा सहयोग प्रदान करें। यह भी स्पष्ट किया गया कि एकत्र की गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए ही उपयोग की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जनगणना 2027 के लिए राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर (1855) 30 अप्रैल 2026 से पंजाब में चालू होगा, जो स्वयं-गणना और हाउस लिस्टिंग से जुड़े सवालों के जवाब देने के साथ-साथ लोगों की शिकायतों का समाधान भी करेगा।

अमेरिका समझौते के लिए होर्मुज में ईरान को घेरने को तैयार, तेहरान का जवाब-देखेंगे

अमेरिका की सैन्य घेराबंदी और 'ऑपरेशन स्ट्राइक' की तैयारी

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिकी सेना इस समय स्टेट ऑफ होर्मुज में ईरान के मौजूदा गुप्त ठिकानों को निशाना बनाने की योजना बना रही है। अगर संघर्ष विराम (युद्ध विराम / सीज फायर) विफल हो जाता है तो अमेरिका सेना इशारा मिलते ही ईरान के सैन्य अड्डों पर समन्वित हमले शुरू कर सकती है। इस घटनाक्रम से परिचित कई सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। वहीं, ईरान ऐसी तैयारियों से बेफिक्र नजर आ रहा है। सर्वोच्च नेता ने कहा कि हालात के अनुसार फैसला लिया जाएगा। युद्ध से पीछे नहीं हटेंगे।

सीएनएन, द टाइम्स ऑफ इजराइल और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारी ईरान के साथ मौजूदा संघर्ष विराम टूटने पर होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की सामरिक क्षमता को तहस-नहस करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। यह हमले होर्मुज जलडमरूमध्य, दक्षिणी अरब खाड़ी और ओमान की खाड़ी के आसपास केंद्रित हो सकते हैं।

❍ होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव चरम पर: संघर्ष विराम के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ रही सैन्य तनातनी

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ स्थायी युद्ध विराम समझौता करने के लिए ईरान को हिजबुल्लाह की फंडिंग रोकनी होगी। इजराइल और लेबनान के बीच राजदूतस्तर की बातचीत के दूसरे दौर की अध्यक्षता करने के बाद ओवल ऑफिस में उन्होंने पत्रकारों से यह बात कही। सनद रहे कि ईरान के साथ हालिया बातचीत मुख्य रूप से परमाणु मुद्दे पर केंद्रित रही है। इस समय होर्मुज में नाकेबंदी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल है। ट्रंप ने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पर कहा कि ईरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और सरकार के बीच दरार है। यही दरार राजनयिक समझौते की राह में बड़ी बाधा है। ट्रंप ने लिखा, ईरान को यह समझने में बहुत मुश्किल हो रही है कि उनका असल नेता कौन है। इस पर ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने तत्काल टिप्पणी दी। उन्होंने कहा कि ट्रंप को गलतफहमी है। सच यह है कि देशवासियों के बीच अद्भुत एकता की भावना का संचार हुआ है।

खामेनेई ने कहा कि लोगों की एकजुटता और भी अधिक मजबूत और फौलादी हो गई है। दुश्मन को यह बात भली भांति समझ में आ जानी चाहिए। ईरान दुश्मन के इरादों को सफल नहीं होने देगा। हर हालात मुकाबला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप युद्ध में हारे हुए नेता हैं। इसलिए कलह का नया शिगूफा छोड़ रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने की इज़राइल-लेबनान के बीच तीन सप्ताह के संघर्ष विराम की घोषणा

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

फोटोः हि.स.

अमेरिकी की मेजबानी में इजराइल और लेबनान वाशिंगटन में वीरवार को हुई राजदूत स्तर की वार्ता में तीन हफ्ते के सैन्य विराम (युद्धविराम/सीजफायर) पर सहमत हो गए। बैठक के आखिर में दोनों पक्षों से बातचीत करने के बाद यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की मध्यस्थता में हुई इस शांति वार्ता की सफलता पर ट्रंप ने खुशी जताई।

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को व्हाइट हाउस में इजराइल और लेबनान के अधिकारियों के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने सोशल ट्रुथ पर लिखा, इजराइल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ाया जाएगा। इजराइल और लेबनान के बीच शुरुआती 10 दिन का युद्ध विराम 16 अप्रैल को लागू हुआ था। राष्ट्रपति ने कहा कि यह समझौता ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के बाद हुआ। इसमें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी, लेबनान में अमेरिकी राजदूत मिशेल इस्सा और इजराइल व लेबनान के उच्चस्तरीय प्रतिनिधि शामिल हुए। ट्रंप ने लिखा, बैठक बहुत अच्छी रही। मैं निकट भविष्य में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हूं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि ईरान को लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह को फंडिंग बंद करनी होगी। उन्होंने कहा कि शांति के लिए यह बहुत जरूरी है। इस बीच ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा, लेबनान और उसके लोगों की रक्षा और इजराइली दुश्मन के सीजफायर के उल्लंघन और दक्षिणी लेबनान के याटर शहर को निशाना बनाने के जवाब में रॉकेटों की बौछार से श्टुला बस्ती को निशाना बनाया गया है इस पर इजराइली सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लेबनान से इजराइली क्षेत्र में प्रवेश करने वाले कई रॉकेटों को रोक दिया गया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह रॉकेट हमला गुरुवार को पहले दक्षिणी लेबनान पर हुए एक इजराइली हमले के बाद हुआ। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि वह ईरान के खिलाफ युद्ध फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। उनका देश अमेरिका से हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रहा है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान हर स्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार है।

नेपाल मेडिकल काउंसिल ने 17 डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द किया

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल मेडिकल काउंसिल ने नेपाली नागरिकता छोड़ चुके 17 डॉक्टरों के मेडिकल लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। काउंसिल ने एक सूचना जारी कर बताया कि नेपाली नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिकता लेने वाले डॉक्टरों का लाइसेंस पंजीकरण रद्द किया गया है। सूचना में कहा गया है, नेपाल मेडिकल काउंसिल अधिनियम, नियमावली और नेपाली नागरिकता कानून के अनुसार विदेशी नागरिकता प्राप्त करने वाले डॉक्टरों को काउंसिल के पंजीकरण रिकॉर्ड से हटा दिया गया है। जिन डॉक्टरों के लाइसेंस रद्द किए गए हैं, उनमें डॉ. शर्मिला गुरुङ, डॉ. रोशन भुषाल, डॉ. मोति गुरुङ, डॉ. देवराज रेग्मी, डॉ. मेरिना गुरुङ, डॉ. निरंजनदेव पांडे, डॉ. रोजन केसी, डॉ. ममता गुरुङ, डॉ. राजीव हमाल, डॉ. सलुजा सिंह थारू, डॉ. सुजना केसी, डॉ. जोस्ना शाही, डॉ. मनीषा हमाल और डॉ. सुप्रिया शाक्य शामिल हैं। इसी तरह डॉ. इच्छा न्यौपाने, डॉ. दिपेन ढकाल और डॉ. तुषार सरवजना का लाइसेंस पंजीकरण भी रद्द कर दिया गया है। काउंसिल के अनुसार, इन डॉक्टरों ने भारतीय, ब्रिटिश, अमेरिकी, ऑस्ट्रेलियाई और हांगकांग की नागरिकता प्राप्त की है।

भारत की एडवाइजरी नागरिकों को ईरान यात्रा से बचने और वहां से जल्द निकलने की सलाह

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा न करने की सख्त सलाह जारी की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात को देखते हुए लोगों को हवाई और जमीनी-दोनों रास्तों से ईरान जाने से बचना चाहिए। विदेश मंत्रालय की एडवाइजरी के अनुसार, भले ही ईरान के लिए सीमित उड़ानें शुरू हो गई हों, लेकिन हवाई क्षेत्र में प्रतिबंध और संचालन से जुड़ी अनिश्चितताएं अब भी बनी हुई हैं। इससे यात्रियों की सुरक्षा को जोखिम हो सकता है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो भारतीय नागरिक इस समय ईरान में मौजूद हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकलने की सलाह दी गई है। इसके लिए तय जमीनी मार्गों का उपयोग करने को कहा गया है, ताकि सुरक्षित तरीके से देश वापसी सुनिश्चित की जा सके। एडवाइजरी में नागरिकों को विशेष रूप से यह निर्देश दिया गया है कि किसी भी सीमा को पार करने से पहले वे संबंधित क्षेत्रों में स्थित भारतीय दूतावासों के साथ समन्वय करें। इससे निकासी प्रक्रिया को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सकेगा।

हमें मोदी पर गर्व है, वे भी संघ से जुड़े होने का गर्व महसूस करते हैं: होसबाले

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले का कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बारे में हम भारत सरकार की नीति, प्रतिक्रिया और सोच के साथ पूरी तरह खड़े हैं। हमारी अपनी अलग से कोई राय नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कहा कि हमें उन पर गर्व है और वे भी हमारे संगठने से जुड़े होने पर गर्व करते हैं।

वाशिंगटन (डी.सी.) के सुप्रसिद्ध हड्सन इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में आयोजित एक चर्चा-वार्ता में वरिष्ठ पत्रकार और द्य वॉल स्ट्रीट जरनल के स्तंभकार वॉल्टर रसेल मीड से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी, सरकार और संघ से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने यह बात कही।

रा.स्व.संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने साफ कहा कि 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के काल से उसके नेता व संगठनकर्ता हमसे जुड़े रहे हैं। संघ विचार से प्रेरित आज 40 से अधिक संगठनों का राष्ट्रव्यापी तंत्र है। उन्होंने अमेरिकी डायसपोरा के कुछ लोगों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यह अमेरिका के नागरिक भारतवंशियों की जिम्मेदारी है कि वे अपने देश (अमेरिका) के नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने सांस्कृतिक देश की पहचान को सम्मान दिलाने वाले कार्य करें। एक सवाल के उत्तर में उन्होंने स्वीकार किया कि केवल अमेरिकियों में ही नहीं बल्कि भारत में भी हमारे संगठन को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां हैं। हम अपने इस शताब्दी वर्ष में जन-जन के बीच पंच परिवर्तन के कार्यक्रमों को लेकर जा रहे हैं। यह केवल भारत या भारतीयों के लिए नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में में स्वीकार किए जाने वाला विचार है।

उन्होंने कहा कि भारत का दर्शन पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में देखता है। यही आध्यात्मिक विचारधारा हमारे सांस्कृतिक मूल्यों में विद्यमान है, जिसको आधार बनाकर रा.स्व.संघ अपने देश, समाज और राष्ट्र के साथ साथ सम्पूर्ण मानवता की भलाई के लिए जन जागरण का कार्य करने में लगा हुआ है और आगे भी यही कार्य करता रहेगा।

संक्षिप्त-समाचार

लगातार तीसरे दिन शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में गिरावट का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक सुधर कर हरे निशान में पहुंच गए। इसके कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने सारी बढ़त गंवा कर दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोल इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, नेस्ले और ग्रासिम इंडस्ट्रीज के शेयर 1.68 प्रतिशत से लेकर 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजी, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स और टीसीएस के शेयर 4.14 प्रतिशत से लेकर 2.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,762 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 725 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,037 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से पांच शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 25 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

गौहाटी उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका रद्द की

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पार्थिवज्योति सैकिया की अदालत ने शुक्रवार कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका को रद्द कर दिया। शुक्रवार सुबह 10.30 बजे यह निर्णय अदालत द्वारा दिया गया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को अदालत ने उनकी जमानत के फैसले को स्थगित रखा था। आज औपचारिक रूप से जमानत रद्द कर दी। उल्लेखनीय है कि, पवन खेड़ा द्वारा असम विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के नाम पर 3 देशों के पासपोर्ट होने के बड़े आरोप लगाए गये थे, जिसके बाद मुख्यमंत्री की पत्नी ने अपराध अनुसंधान शाखा में शिकायत दर्ज करवाई थी। इस शिकायत के आधार पर खेड़ा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 175 (चुनाव संबंधी झूठी जानकारी), 35, 36, 318 (धोखाधड़ी), 338 (ठगी), 337 (अदालत के दस्तावेजों का सार्वजनिक पंजीकरण झूठा), 340 (जाली दस्तावेज को इलेक्ट्रॉनिक जानकारी के रूप में वास्तविक बताना), 352, 356 (मानहानि) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अग्रिम जमानत देने के बाद, सुप्रीम कोर्ट में असम सरकार के आवेदन के बाद, खेड़ा को असम के संबंधित अदालत में आवेदन देने का निर्देश दिया। अग्रिम जमानत के आवेदन की सुनवाई के बाद आज गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पार्थिवज्योति सैकिया की अदालत ने फैसला सुनाया।

पुलिसकर्मियों के आपत्तिजनक वीडियो वायरल मामले में 2 गिरफ्तार

सीवान। पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा के निर्देश पर सीवान पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। एसपी पुरन कुमार झा ने बताया कि 19 अप्रैल 2026 को पुलिस कर्मियों से संबंधित एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसे असामाजिक तत्वों द्वारा तैयार कर प्रसारित किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि जांच के क्रम में वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपियों की पहचान कर ली गई, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के अफरोज अली और सरफराज खान के रूप में हुई है। एसपी ने स्पष्ट किया कि इस मामले में संलिप्त अन्य लोगों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। दोषियों के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत कड़ी विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुरन कुमार झा ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक या भ्रामक वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा या प्रसारित करने से बचें। ऐसी गतिविधियां कानूनन अपराध हैं और इसमें शामिल पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जांजगीर चांपा में सो रहे दो सगे भाइयों पर फायरिंग, एक की मौत, दूसरा गंभीर

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले के करही गांव में बीती रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर सो रहे दो सगे भाइयों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। हमले में बड़े भाई आयुष कश्यप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छोटे भाई आशुतोष कश्यप गंभीर रूप से घायल है। बिर्रा पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना बीती रात करीब 1 बजे की है। बताया जा रहा है कि तीन अज्ञात नकाबपोश आरोपित अचानक घर में घुस आए और बिना किसी चेतावनी के सो रहे भाइयों पर फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपित फरार हो चुके थे। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घायल आशुतोष कश्यप को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है । सूचना मिलते ही बिर्रा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कर आरोपितों की खोजबीन की जा रही है। प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे आपसी रंजिश या पुरानी दुश्मनी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

बंगाल में प्रथम चरण के चुनाव के बाद निर्वाचन आयोग सख्त

❍ कैमरों के डेटा सुरक्षा के लिए जारी किए नए निर्देश

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

फोटोः हि.स.

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के मतदान के बाद निर्वाचन आयोग ने पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए नई सख्त व्यवस्था लागू की है। आयोग ने मतदान केंद्रों पर लगाए गए निगरानी कैमरों और उनमें सुरक्षित वीडियो डेटा के संरक्षण को लेकर ताजा दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद कैमरों से मेमोरी कार्ड नहीं निकाले जाएंगे। केवल कैमरे उतारे जाएंगे और उन्हें सेक्टर अधिकारी की निगरानी में सुरक्षित रखा जाएगा। स्मृति कार्ड निर्धारित डेटा संग्रहण और प्राप्ति केंद्र पर सहायक निर्वाचन अधिकारी की मौजूदगी में ही निकाले जा सकेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वीडियो सामग्री की पूरी जिम्मेदारी तय रहेगी और उसका रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि किसी शिकायत, विवाद या जांच की स्थिति में प्रमाण उपलब्ध रहे। इससे छेड़छाड़ या डाटा गायब होने की आशंका कम होगी।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण में औसतन लगभग 93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों की कई सीटों पर मतदान प्रतिशत इससे भी अधिक रहा, जो मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

अधिकारियों का कहना है कि भारी मतदान और चुनावी संवेदनशीलता को देखते हुए निगरानी फुटेज का सुरक्षित रहना बेहद जरूरी है। इसी कारण मतदान के बाद की प्रक्रिया को लेकर सख्त नियम लागू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को की जाएगी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समर्थन में प्रचार करने कोलकाता आएंगे केजरीवाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आआपा) प्रमुख अरविंद केजरीवाल तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समर्थन में कोलकाता आएंगे। आआपा सूत्रों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के आमंत्रण पर केजरीवाल आगामी 26 व 27 अप्रैल को कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में ममता बनर्जी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। गौरतलब है कि, राज्य में 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान हुआ। उससे पहले बुधवार को अरविंद केजरीवाल ने ममता बनर्जी से फोन पर बात की थी। बाद में उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। केजरीवाल ने लिखा कि अभी-अभी ममता दीदी से फोन पर बात हुई है। उन्होंने उनके प्रति पूरी एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी एक कठिन और महत्वपूर्ण लड़ाई लड़ रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए भी बहुत अहम है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग सहित विभिन्न संस्थाओं का दुरुपयोग करने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी इस चुनाव में हारेगी।

स्टॉक मार्केट में मेहुल टेलिकॉम की शानदार शुरूआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

टेलिकॉम सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग दस प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 108 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 109.90 रुपये के स्तर पर पहुंचा। वहीं मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 104 रुपये के स्तर तक भी आया। बाजार में लगातार जारी खरीदी बिक्री के बाद सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 107.75 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक 9.75 रुपये यानी 9.95 प्रतिशत के फायदे में थे। मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 44.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 32.5 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 79.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 37.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

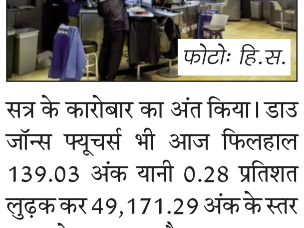
फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार गिरावट का रुख बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ जाने की आशंका के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में घबराहट का माहौल बना रहा। इस घबराहट की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत फिसल कर 7,108.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 219.06 अंक यानी 0.89 प्रतिशत टूट कर 24,438.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल 139.03 अंक यानी 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 49,171.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,457.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,155.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.86 प्रतिशत उछल कर 8,227.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है।

महंगाई | अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी

भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा सीधा असर

❍ 107 डॉलर के स्तर तक पहुंचा ब्रेंट क्रूड

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

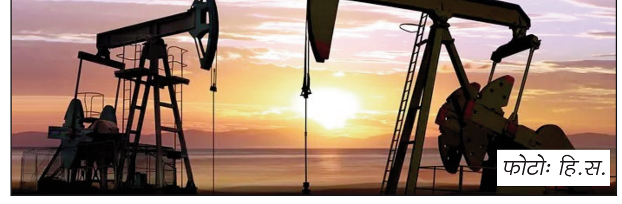
फोटोः हि.स.

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज लगातार पांचवें दिन क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। ब्रेंट क्रूड आज 107 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 97.60 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में कच्चे तेल की कीमत में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई।

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली शांति वार्ता टलने और होर्मुज स्ट्रेट के मसले पर दोनों देशों के आमने सामने आ जाने की वजह से इस प्रमुख समुद्री रास्ते के जरिये होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई लगभग ठप पड़ी हुई है और निकट भविष्य में इसके शुरू होने की संभावना भी नजर नहीं आ रही है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। शुक्रवार ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 105 डॉलर के स्तर से भी ऊपर 106.12 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 107 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 105.99 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 96.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 97.60 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.55 प्रतिशत की उछाल के साथ 96.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आपको बता दें कि फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में शुरू हुई इस जंग ने दुनिया के पेट्रोलियम बेस्ड एनर्जी मार्केट को हिला कर रख दिया है। इस जंग के कारण होर्मुज स्ट्रेट के लगभग बंद हो जाने से फारस की खाड़ी से होने वाली ऑयल और गैस की सप्लाई में जबरदस्त गिरावट आई है। अमेरीका ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए यहां नाकेबंदी कर रखी है। दूसरी ओर, ईरान अपनी ओर से होर्मुज को इंटरनेशनल ट्रैफिक के लिए बंद रखने की कोशिश में जुटा हुआ है।

जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच तत्काल शांति वार्ता होने की संभावना नजर नहीं आ रही है। इन दोनों देशों के हठी रवैये से लगने लगा है कि होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से मालवाहक जहाजों और ऑयल टैंकर्स का आना-जाना तत्काल संभव नहीं हो सकेगा। ऐसी स्थिति में दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई में परेशानी जारी रहेगी, जिसका परिणाम कच्चे तेल की कीमत में तेजी के रूप में देखा जा सकता है।

आईपीएल 2026: ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे स्थान पर पहुंचे संजू सैमसन

कंबोज की गेंदबाजी का जादू, पर्पल कैप फिर अंशुल कंबोज के पास

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अपने चरम पर है। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा है, व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा भी उतनी ही कड़ी होती जा रही है। शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेले गए मुकाबले में चेन्नई ने 103 रनों की करारी शिकस्त देकर न केवल अपनी स्थिति मजबूत की, बल्कि व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स की दौड़ में भी बड़े उलटफेर देखने को मिले। इस एक मैच ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस को एक नया मोड़ दे दिया है, जिससे क्रिकेट प्रेमियों की दिलचस्पी और बढ़ गई है।

ऑरेंज कैप की रेस में इस सीजन में युवाओं का दबदबा साफ दिख रहा है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने लगातार शानदार बल्लेबाजी करते हुए अब तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। सैमसन ने अब तक के टूर्नामेंट में दो बेहतरीन शतक लगाए हैं, जो उनकी फॉर्म और निरंतरता को दर्शाते हैं। उनके कुल रनों की संख्या 293 तक पहुँच गई है।

हालाँकि, सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (323 रन) और विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन (320 रन) अभी भी शीर्ष दो स्थानों पर मजबूती से जमे हुए हैं। अभिषेक शर्मा की आक्रामक बल्लेबाजी ने इस सीजन में सभी को प्रभावित किया है, जबकि क्लासेन बीच के ओवरों में जिस तरह से रन बटोर रहे हैं, वह किसी भी गेंदबाज के लिए सिरदर्द बना हुआ है।

वहीं, अनुभवी शुभमन गिल 265 रनों के साथ चौथे पायदान पर हैं, जो

फोटोः हि.स.

किसी भी वक्त शीर्ष तीन में वापसी कर सकते हैं। विराट कोहली (247 रन) और रजत पाटीदार (230 रन) जैसे बल्लेबाज भी दौड़ में बने हुए हैं। आने वाले मुकाबलों में जिस तरह से पिचें व्यवहार कर रही हैं, ऐसा लगता है कि ऑरेंज कैप के लिए यह मुकाबला आखिरी लीग मैच तक खिंचने वाला है। बल्लेबाजों के बीच रनों का यह फासला बहुत कम है, जिससे हर मैच के बाद तालिका में ऊपर-नीचे होना तय है।

गेंदबाजों की सूची में भी बड़ी फेरबदल देखने को मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे इस सीजन के सबसे घातक गेंदबाज क्यों माने जा रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में महज 10 रन खर्च किए और एक महत्वपूर्ण विकेट चटकाया। इस प्रदर्शन के साथ ही वे कुल 14 विकेट लेकर फिर से पर्पल कैप के हकदार बन गए हैं।

अंशुल की वापसी से पर्पल कैप की दौड़ और भी रोमांचक हो गई है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के प्रिंस यादव 13 विकेट के साथ कंबोज को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। प्रिंस यादव की गेंदबाजी में जो विविधता है, उसने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया है। तीसरे स्थान पर एसआरएच के ईशान मलिंगा और चौथे स्थान पर गुजरात टाइटंस (जीटी) के प्रसिद्ध कृष्णा हैं। दोनों ही गेंदबाज 12-12 विकेट लेकर शीर्ष के करीब हैं।

पर्पल कैप की यह लड़ाई केवल विकेटों की संख्या नहीं, बल्कि इकोनॉमी रेट और मैच जिताने वाले स्पेल की भी है। अंशुल कंबोज की सफलता का राज उनकी सटीक लाइन और लेंथ है, जो दबाव के क्षणों में भी नहीं बदलती। गेंदबाजों के लिए यह टूर्नामेंट काफी चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन शीर्ष के इन खिलाड़ियों ने अपनी लय बरकरार रखी है।

स्पोर्ट्स सिटी धर्मशाला में 27 अप्रैल से होगा फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

सांस्कृतिक धरोहर और शहादत का संगम

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

स्पोर्ट्स सिटी धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में 27 अप्रैल से देश भर के फुटबाल खिलाड़ी जुटेंगे। वीर शहीदों की स्मृति और खेल भावना को समर्पित अखिल भारतीय शहीद मेजर दुर्गा मल्ल एवं कैप्टन दल बहादुर थापा मेमोरियल गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का 38वां संस्करण 27 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित किया जा रहा है। वर्ष 1989 से निरंतर आयोजित होने वाला यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट न केवल देश भर की श्रेष्ठ टीमों को एक मंच प्रदान करता है, बल्कि यह आयोजन हमारी आजादी के वीर नायकों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

प्रतियोगिता का शुभारंभ धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मेयर देवेंद्र जग्गी करेंगे। वहीं, 3 मई को समापन समारोह के दौरान सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज और स्थानीय विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर विजेताओं को सम्मानित करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष पालम जंग प्रधान ने बताया कि आजादी के अमृत काल में इस आयोजन का महत्व और बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट युवाओं को देशभक्ति और अनुशासन से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इस कड़ी में एक मई को धर्मशाला महाविद्यालय के सभागार में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्थानीय कला को बढ़ावा देते हुए नेपाली-गोरखाली नृत्य और कांगड़ा का प्रसिद्ध झमाकड़ा प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, वीर शहीदों के जीवन और बलिदान पर आधारित एक प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई जाएगी।

देश की 14 बेहतरीन टीमें होंगी शुमार

टूर्नामेंट में इस बार देश की 14 प्रमुख टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें आरबीआई मुंबई, कस्टम दिल्ली, सीआईएसएफ, राजस्थान पुलिस, 16 गढ़वाल राइफल्स, 2 गढ़वाल राइफल्स, 3/5 गोरखा राइफल्स, 5/5 गोरखा राइफल्स, खालसा क्लब अमृतसर, डू-लाइक स्पोर्ट्स क्लब जालंधर, जेसीटी फगवाड़ा, आरसीएफ कपूरथला और एचपीएफए शामिल हैं। मेजबान टीम के रूप में धर्मशाला की स्थानीय टीम भागसू इलेवन भी मैदान में उतरेगी।

अंडर-19 इंटर स्कूल मुकाबले भी होंगे टूर्नामेंट का हिस्सा

एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेंट के साथ इस वर्ष धर्मशाला व आसपास के क्षेत्रों में स्थित 11 स्कूलों के बीच अंडर-19 प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र होगी। इसमें इंटरनेशनल सहज पब्लिक स्कूल (टालनू), सेक्रेड हार्ट स्कूल (सिद्धपुर), अचीवर्स हब (दाड़ी), आधुनिक पब्लिक स्कूल, इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, टीसीवी स्कूल, दयानंद पब्लिक स्कूल, हाइलैंड पब्लिक स्कूल, डीपीएस कांगड़ा और जीएसएसएस खनियारा खास व शाहपुर के युवा खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे।

मुंबई को आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन बनाए रखने की जरूरतः जयवर्धने

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप में खेलने के कारण लेकर थकान की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि टीम लय और आत्मविश्वास हासिल करने पर ध्यान दे रही है।

मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा पिछले महीने आईसीसी टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, जबकि मिचेल सैंटनर ने इस विश्व कप में न्यूजीलैंड की अगुवाई की थी और अनुभवी क्विंटन डिकॉक दक्षिण अफ्रीका टीम के अहम सदस्य थे। मुंबई इंडियंस को बृहस्पतिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। यह टीम की सात मैचों में

पांचवीं हार थी। कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव सात मैचों में 156 रन ही बना सके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह (2 विकेट) और तिलक वर्मा (181 रन) भी एक पारी को छोड़ दे तो खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी खुद भी थकान को कारण मानेंगे। हमें लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग का शंखनाद

दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग का लक्ष्य खिलाड़ियों को आर्थिक स्थिरता और पहचान दिलानाः जसोदा गुलिया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर तैयार की गई दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग (डीवीपीएल) का उद्देश्य वॉलीबॉल खिलाड़ियों को सिर्फ जुनून के लिए खेलने तक सीमित न रखते हुए उन्हें पेशेवर विकास, आर्थिक स्थिरता और दीर्घकालिक पहचान दिलाना है।

इस साल जनवरी में घोषित की गई दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग को दिल्ली वॉलीबॉल एसोसिएशन और दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त है। यह लीग एक संरचित, पेशेवर और स्थायी प्लेटफॉर्म के रूप में तैयार की जा रही है, जो राजधानी में वॉलीबॉल प्रतिभाओं को नया अवसर देगी। पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी नीति रावत और जसोदा गुलिया इस लीग की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह भारत की पहली महिला-नेतृत्व वाली प्रोफेशनल वॉलीबॉल लीग होगी, जिसे खिलाड़ियों द्वारा खिलाड़ियों के लिए बनाया जा रहा है। नीति रावत, जिन्हें खेल प्रसारण और मीडिया में व्यापक अनुभव है, लीग की पहुंच बढ़ाने और दर्शकों से जुड़ाव मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी। वहीं, जसोदा गुलिया का वित्त और रणनीतिक योजना में अनुभव इस लीग को एक मजबूत और टिकाऊ खेल व्यवसाय के रूप में विकसित करने में मदद करेगा, जिससे निवेश, प्रायोजन और फ्रेंचाइजी भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। नीति रावत ने कहा, डीवीपीएल भारत में वॉलीबॉल को देखने और अनुभव करने के तरीके को बदलने का एक आंदोलन है। एक खिलाड़ी के रूप में हमने इस खेल की यात्रा को करीब से जिया है और इसकी अपार संभावनाओं को समझते हैं। हम जानते हैं कि यह आज कहां खड़ा है और इसे कहां होना चाहिए, और हम इस अंतर को भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जसोदा गुलिया ने कहा, यह लीग ऐसे भविष्य के निर्माण के लिए है, जहां खिलाड़ी सिर्फ जुनून के लिए नहीं, बल्कि पेशेवर विकास, आर्थिक स्थिरता और पहचान के साथ खेल सकें। हमारे लिए यह केवल खेल नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा रहा है, इसलिए हम खिलाड़ियों की हर जरूरत और चुनौती को भली-भांति समझते हैं। डीवीपीएल का लक्ष्य एक व्यापक खेल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है, जिसमें खिलाड़ी विकास, पेशेवर प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव और मीडिया व प्रसारण के जरिए बेहतर पहचान शामिल हो। साथ ही, यह लीग खेल प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देकर एक समावेशी मॉडल स्थापित करना चाहती है। साल 2026 में शुरू होने वाली इस लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और इसे एक प्रतिस्पर्धी तथा व्यावसायिक रूप से मजबूत मंच के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे भारत में वॉलीबॉल के स्तर को नई ऊंचाई मिल सके।

मैड्रिड ओपन में राफेल नडाल की खास वापसी बनार्बेउ स्टेडियम में खेला फ्रेंडली मुकाबला

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर नजर आए, जब उन्होंने मैड्रिड ओपन के दौरान सैंटियागो बनार्बेउ स्टेडियम में बने अस्थायी कोर्ट पर हिस्सा लिया। मैड्रिड ओपन के आयोजकों ने बनार्बेउ स्टेडियम के मैदान पर अस्थायी टेनिस कोर्ट तैयार किया है, जहां खिलाड़ी 30 अप्रैल तक अभ्यास कर सकेंगे। हाल ही में संन्यास ले चुके नडाल, जो रियल मैड्रिड के बड़े प्रशंसक हैं, इस टूर्नामेंट के सबसे सफल खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने इसे पांच बार जीता है।

इस खास मौके पर नडाल ने रियल मैड्रिड के गोलकीपर थिबो कूर्तुआ के साथ मिलकर एक फ्रेंडली सत्र में हिस्सा लिया, जिसमें उनके सामने विश्व नंबर एक यानिक सिनर और रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंघम की जोड़ी थी। बेलिंघम इससे पहले बुधवार को मैड्रिड ओपन में मौजूद थे, जहां उन्होंने युवा स्पेनिश खिलाड़ी राफेल जोदार का मुकाबला देखा, जिन्होंने टूर्नामेंट में अपना डेब्यू किया। हालांकि मुख्य मुकाबले स्पेन की राजधानी स्थित काजा मागिका में खेले जा रहे हैं। नडाल ने इस अनुभव को खास बताते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, बनार्बेउ के इस अनोखे कोर्ट पर खेलना बेहद खास रहा। इस आयोजन में महिला टेनिस की स्टार खिलाड़ी इगा स्वियाटेक भी शामिल रहीं, जो इस समय विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं।

दर्पण विशेष

विश्व मलेरिया दिवस 2026: हम सब मिलकर ला सकते हैं बदलाव

मलेरिया मच्छरों से फैलने वाली बीमारी है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है, खासकर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में। संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलने वाले परजीवियों के कारण होने वाली यह बीमारी, यदि समय पर पहचान और उपचार न किया जाए तो गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है। वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और रोकथाम प्रयासों को मजबूत करने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने विश्व मलेरिया दिवस की स्थापना की, जो हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन मलेरिया के मामलों को कम करने और संवेदनशील आबादी की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। इसी उद्देश्य के अनुरूप, यह ब्लॉग बताता है कि मलेरिया वैश्विक स्वास्थ्य चिंता का विषय क्यों बना हुआ है, इसके लक्षण जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, और वे निवारक उपाय जो इसके प्रसार को कम करने में मदद कर सकते हैं।

विश्व मलेरिया दिवस का इतिहास और महत्व

विश्व मलेरिया दिवस की स्थापना विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान की गई थी। यह दिवस अफ्रीका मलेरिया दिवस से विकसित हुआ, जिसे अफ्रीकी देशों द्वारा .2001 से पूरे महाद्वीप में मलेरिया के बढ़ते बोझ को उजागर करने के लिए मनाया जाता था। चूंकि मलेरिया दुनिया के कई हिस्सों को प्रभावित करता रहा, इसलिए वैश्विक स्वास्थ्य नेताओं ने एक व्यापक मंच की आवश्यकता को पहचाना जो इस बीमारी की ओर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित कर सके। इसलिए, इस दिवस की शुरुआत सरकारों, स्वास्थ्य संगठनों और दुनिया भर के समुदायों के लिए मलेरिया की रोकथाम, निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित करने का एक एकीकृत अवसर बनाने के लिए की गई थी। विश्व मलेरिया दिवस इस बात की याद दिलाता है कि मलेरिया नियंत्रण प्रयासों में वर्षों की प्रगति के बावजूद, यह अभी भी एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है। यह दिवस रोकथाम रणनीतियों को मजबूत करने, समय पर निदान और उपचार तक पहुंच में सुधार लाने और बीमारी के बोझ को कम करने के उद्देश्य से चल रहे अनुसंधान का समर्थन करने के लिए वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहित करता है। यह मलेरिया नियंत्रण में योगदान देने वाले स्वास्थ्यकर्मियों, शोधकर्ताओं और सामुदायिक कार्यक्रमों के प्रयासों को मान्यता देने का अवसर भी प्रदान करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह दिवस इस संदेश को पुष्ट करता है कि मलेरिया के मामलों को कम करने और जीवन बचाने के लिए निरंतर जागरूकता, निवारक कार्रवाई और मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियां आवश्यक हैं।

सामान्य लक्षण

मलेरिया के लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर के काटने के कुछ दिनों से लेकर कुछ हफ्तों के भीतर दिखाई देते हैं। यह बीमारी अक्सर फ्लू जैसे लक्षणों से शुरू होती है, जो इलाज में देरी होने पर धीरे-धीरे गंभीर हो सकते हैं। मलेरिया के सामान्य लक्षणों में शामिल हैं। **बुखारः** सबसे आम लक्षणों में से एक, जो अक्सर चक्रीय रूप से होता है। **कंपकंपी और पसीना आनाः** अचानक कंपकंपी और उसके बाद अत्यधिक पसीना आने की शिकायतें अक्सर सामने आती हैं। **सिरदर्दः** संक्रमण के दौरान लगातार या गंभीर सिरदर्द हो सकता है। **मांसपेशियों में दर्द और थकानः** कई रोगियों में शरीर में दर्द और अत्यधिक थकान होना आम बात है। **मतली और उल्टीः** कुछ लोगों को पेट में तकलीफ या उल्टी का अनुभव हो सकता है। **भूख न लगनाः** भोजन में रुचि कम होना अन्य लक्षणों के साथ हो सकता है। **पेट दर्द या दस्तः** कुछ मामलों में पाचन संबंधी लक्षण दिखाई दे सकते हैं। गंभीर मामलों में, मलेरिया से भ्रम, सांस लेने में कठिनाई, दौरे या अंग विफलता जैसी जटिलताएं हो सकती हैं।

मलेरिया का इलाज

मलेरिया का इलाज मलेरिया परजीवी के प्रकार, बीमारी की गंभीरता और रोगी के समग्र स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। **मलेरिया रोधी दवाएँः** मलेरिया के परजीवियों को लक्षित करने वाली दवाएं ही उपचार का मुख्य तरीका हैं। ये दवाएं रक्तप्रवाह में मौजूद परजीवियों को मारकर काम करती हैं। विशिष्ट दवा और उपचार की अवधि संक्रमण पैदा करने वाले परजीवी की प्रजाति और उस क्षेत्र में अपनाए जाने वाले उपचार दिशानिर्देशों पर निर्भर करती है। यदि जल्दी इलाज किया जाए, तो अधिकांश लोग गंभीर जटिलताओं के बिना ठीक हो जाते हैं। **गंभीर मलेरिया के लिए इंजेक्शन द्वारा उपचारः** गंभीर मलेरिया के मामलों में तत्काल अस्पताल में भर्ती होना आवश्यक है। ऐसे मामलों में, डॉक्टर संक्रमण को शीघ्रता से नियंत्रित करने के लिए इंजेक्शन के माध्यम से दवा दे सकते हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों की गहन निगरानी की जाती है ताकि गंभीर एनीमिया, सांस लेने में तकलीफ या अंगों की कार्यप्रणाली में खराबी जैसी जटिलताओं का प्रबंधन किया जा सके। **गर्भावस्था के दौरान सुरक्षित उपचार विकल्पः** मलेरिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को ऐसा उपचार चाहिए जो मां और गर्भ में पल रहे शिशु दोनों के लिए सुरक्षित हो। डॉक्टर सावधानीपूर्वक उपयुक्त दवाओं का चयन करते हैं और संक्रमण से संबंधित जटिलताओं के जोखिम को कम करने के लिए उपचार के दौरान रोगी की निगरानी करते हैं। **सहायक चिकित्सा देखभालः** सहायक देखभाल लक्षणों को नियंत्रित करने और स्वास्थ्य लाभ के दौरान शरीर को सहारा देने में मदद करती है। इसमें बुखार को नियंत्रित करना, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और जटिलताओं के संकेतों की निगरानी करना शामिल हो सकता है। चिकित्सकीय देखरेख यह सुनिश्चित करती है कि रोगी उपचार के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया दे।

मलेरिया से बचाव

मलेरिया की रोकथाम में मुख्य रूप से मच्छरों के काटने के जोखिम को कम करना और आसपास के क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन को नियंत्रित करना शामिल है। मलेरिया के प्रसार को कम करने में निम्नलिखित निवारक उपाय सहायक हो सकते हैं। **कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का प्रयोग करेंः** उपचारित मच्छरदानी के नीचे सोने से मच्छरों के काटने से बचाव होता है, खासकर रात में जब मलेरिया फैलाने वाले मच्छर सबसे अधिक सक्रिय होते हैं। **मच्छर भगाने वाली क्रीम लगाएंः** खुले हुए त्वचा पर क्रीम लगाने से उन क्षेत्रों में मच्छर के काटने की संभावना कम हो सकती है जहां मलेरिया आम है। **सुरक्षात्मक कपड़े पहनेंः** लंबी आस्तीन वाली कमीज, लंबी पतलून और मोजे त्वचा के संपर्क को कम करने और मच्छर के काटने से बचाने में मदद कर सकते हैं। **ठहरा हुआ पानी हटाएँः** मच्छर रुके हुए पानी में पनपते हैं। बर्तनों को खाली करना, नालियों को साफ करना और घरों के आसपास पानी जमा होने से रोकना मच्छरों के प्रजनन को सीमित करने में मदद कर सकता है। **खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएंः** जाली लगाने से मच्छर घर के अंदर प्रवेश नहीं कर पाएंगे और घरों के अंदर मच्छरों के काटने का खतरा कम हो जाएगा। **घर के अंदर मच्छरों को नियंत्रित करने के उपायः** घर के अंदर स्प्रे करने और मच्छर नियंत्रण उपकरणों का उपयोग करने से रहने की जगहों में मच्छरों की उपस्थिति को कम करने में मदद मिल सकती है। **सामुदायिक मच्छर नियंत्रण कार्यक्रमः** मच्छरों की आबादी और प्रजनन स्थलों के प्रबंधन के उद्देश्य से शुरू की गई सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में संक्रमण के प्रसार को कम करने में मदद कर सकती है। **उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए निवारक उपचारः** कुछ क्षेत्रों में, गर्भवती महिलाओं, बच्चों या मलेरिया-प्रवण क्षेत्रों का दौरा करने वाले यात्रियों के लिए निवारक दवाओं की सिफारिश की जा सकती है। **शीघ्र परीक्षण और उपचारः** लक्षणों के पहले संकेत पर ही चिकित्सा सहायता लेने से गंभीर बीमारी को रोकने और आगे संक्रमण फैलने की संभावना को कम करने में मदद मिल सकती है।

आज भी वैश्विक स्वास्थ्य चिंता का विषय क्यों बना हुआ है मलेरिया

मलेरिया दुनिया के कई हिस्सों में सबसे लगातार संक्रामक रोगों में से एक बना हुआ है। रोकथाम और उपचार में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, कई कारक इसके निरंतर प्रसार और प्रभाव में योगदान करते रहते हैं। **मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल जलवायुः** कई उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में गर्म तापमान और मौसमी वर्षा मलेरिया परजीवियों को फैलाने वाले मच्छरों के लिए आदर्श परिस्थितियाँ बनाते हैं। **समय पर स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुंचः** कई उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में, प्रारंभिक निदान और उचित चिकित्सा उपचार तक पहुंच सीमित बनी हुई है, जिससे संक्रमण बिगड़ते हैं और समुदायों के भीतर फैलते हैं। **रोकथाम उपायों में कमियांः** सभी समुदायों के पास मच्छर नियंत्रण उपकरणों जैसे कीटनाशक-उपचारित मच्छरदानी या घर के अंदर छिड़काव कार्यक्रमों तक पर्याप्त पहुंच नहीं है। **दवा और कीटनाशक प्रतिरोधः** कुछ क्षेत्रों में, मलेरिया परजीवियों ने कुछ उपचारों के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लिया है, और मच्छर आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों के प्रति कम प्रतिक्रियाशील हो गए हैं। **सामाजिक-आर्थिक और अवसंरचना संबंधी चुनौतियाँः** गरीबी, अपर्याप्त आवास और सीमित सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना मच्छरों के काटने के जोखिम को बढ़ा सकती है और रोग नियंत्रण प्रयासों को और अधिक कठिन बना सकती है।

कैसे फैलता है मलेरिया

मलेरिया मुख्य रूप से संक्रमित मादा एनोफिलीस मच्छर के काटने से फैलता है। काटने के दौरान, मलेरिया परजीवी रक्तप्रवाह में प्रवेश करते हैं और शरीर में गुणा करना शुरू कर देते हैं, जिससे अंततः बीमारी हो जाती है। यह रोग निम्नलिखित मार्गों से फैलता है। **संक्रमित मच्छर का काटनाः** मलेरिया के संचरण का सबसे आम तरीका तब होता है जब एक संक्रमित मादा एनोफिलीस मच्छर किसी व्यक्ति को काटती है और मलेरिया के परजीवियों को रक्तप्रवाह में पहुंचा देती है। **मच्छर का काटनाः** जब कोई मच्छर किसी ऐसे व्यक्ति को काटता है जिसे पहले से ही मलेरिया है, तो वह खून के साथ परजीवियों को निगल लेता है। ये परजीवी मच्छर के अंदर विकसित होते हैं और बाद में किसी अन्य व्यक्ति को काटने पर संक्रमित हो सकते हैं। **संक्रमित दाता से रक्त आधानः** यदि दान किए गए रक्त में मलेरिया के परजीवी मौजूद हों तो रक्त आधान के माध्यम से मलेरिया फैल सकता है। **साझा सुई या सिरिंजः** दुर्लभ मामलों में, संक्रमण इंजेक्शन के लिए इस्तेमाल की गई दूषित सुइयों के माध्यम से फैल सकता है। **मां से बच्चे में संक्रमणः** मलेरिया से संक्रमित गर्भवती महिला गर्भावस्था के दौरान या जन्म के समय बच्चे को संक्रमण दे सकती है।

मलेरिया का सबसे अधिक खतरा किसे है

कुछ खास समूहों के लोगों को मलेरिया संक्रमण का खतरा अधिक होता है, जिसका कारण उनकी कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता, मच्छरों के संपर्क में अधिक आना या निवारक उपायों तक सीमित पहुंच हो सकती है। निम्नलिखित आबादी को अधिक संवेदनशील माना जाता है। **पांच वर्ष से कम आयु के बच्चेः** छोटे बच्चों में अभी तक मलेरिया के खिलाफ पर्याप्त प्रतिरक्षा विकसित नहीं हुई है, जिससे वे गंभीर बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। **गर्भवती महिलाएंः** गर्भावस्था रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देती है, जिससे मां और अजन्मे बच्चे दोनों के लिए मलेरिया संक्रमण और संबंधित जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। **मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगः** जिन क्षेत्रों में मलेरिया आम है, वहां रहने वाले व्यक्तियों को संक्रमित मच्छरों के बार-बार संपर्क में आने का खतरा रहता है। **मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा करने वाले यात्रीः** जिन क्षेत्रों में मलेरिया असामान्य है, वहां से यात्रा करने वाले लोगों में इस संक्रमण के प्रति बहुत कम या बिल्कुल भी प्रतिरक्षा नहीं हो सकती है। **जिन समुदायों में स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच हैः** निदान में देरी और समय पर उपचार न मिलने से गंभीर बीमारी और जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है।

पीजीआईएमईआर 39वें दीक्षांत समारोह के लिए तैयार

निदेशक प्रो. विवेक लाल ने संस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धियों, वैश्विक पूर्व छात्रों के प्रभाव और प्रमुख विस्तार योजनाओं पर प्रकाश डाला

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) के 39वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों के बीच, निदेशक प्रो. विवेक लाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए संस्थान की यात्रा, प्रमुख उपलब्धियों और भविष्य की रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि आगामी दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान में पीजीआईएमईआर की उत्कृष्टता के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। इस अवसर को ऐतिहासिक, पवित्र और अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए, प्रो. लाल ने जानकारी दी कि दीक्षांत समारोह में भारत सरकार के माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद पॉल विशिष्ट अतिथि होंगे। उन्होंने उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्थान के राष्ट्रीय महत्व और सार्वजनिक स्वास्थ्य में उसके योगदान को दर्शाता है। इस वर्ष लगभग 550 स्नातक विद्यार्थियों को माननीय मंत्री द्वारा उपाधियां प्रदान की जाएंगी। प्रो. लाल ने उन्हें असाधारण प्रतिभाशाली और समर्पित बताते हुए कहा कि प्रत्येक स्नातक न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि संवेदनशील और करुणामय रोगी देखभाल के प्रति गहरी प्रतिबद्धता भी रखता है। दीक्षांत समारोह के दौरान कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया जाएगा, जिनमें एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज सेंटर, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र, अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का शिलान्यास, एक आधुनिक मेडिकल म्यूजियम (संस्थान का पहला), तथा विभिन्न विभागों के फेज-क्क विस्तार शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, एक समर्पित कार्डियक इमरजेंसी सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे हार्ट अटैक के मरीजों को बिना किसी देरी के तुरंत विशेष उपचार मिल सकेगा। प्रो. लाल ने इस आयोजन को बहुआयामी और प्रभावशाली बताते हुए कहा कि ये सभी पहलें मिलकर रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं में एक बड़ा कदम हैं। यह केवल दीक्षांत समारोह नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं का व्यापक विस्तार है, उन्होंने कहा।

> पीजीआईएमईआर में हम लगभग एक-दसवें खर्च पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं—सुलभता सुनिश्चित करते हुए उत्कृष्टता से कोई समझौता नहीं करते: निदेशक पीजीआईएमईआर

उन्होंने सारथी पहल का भी उल्लेख किया, जिसमें छात्र स्वयंसेवक मरीजों और उनके परिजनों की सहायता करते हैं। यह पहल अब देश के लगभग 500 संस्थानों तक फैल चुकी है, उन्होंने बताया। प्रो. लाल ने कहा कि पीजीआईएमईआर के संकाय सदस्य वैश्विक स्तर पर शीर्ष 2% शोधकर्ताओं में शामिल हैं, जो संस्थान की अनुसंधान क्षमता को दर्शाता है। इस अवसर पर अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें प्रो. आर.के. राठो (डीन अकादमिक), श्री पंकज राय, प्रो. विपिन कौशल (मेडिकल सुपरिंटेंडेंट), प्रो. एस.के. गुप्ता, प्रो. एस.एस. पंडाव, डॉ. विजय गोनी, प्रो. संदीप बंसल, प्रो. राजेश विजयवर्गिया, डॉ. राजीव चौहान और श्री उम्मेद माथुर शामिल थे। भारी मरीज संख्या और प्रतीक्षा समय की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा, इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के बीच कुछ प्रतीक्षा स्वाभाविक है, लेकिन हमारे डॉक्टर सुबह से देर शाम तक—कई बार रात 9 बजे तक—निरंतर सेवा में लगे रहते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, चंडीगढ़ प्रशासन, समाजसेवियों, मीडिया और स्वास्थ्यकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही पीजीआईएमईआर इतनी बड़ी सेवा दे पा रहा है।

अंत में, प्रो. लाल ने कहा, यह दीक्षांत समारोह हमारी उपलब्धियों का प्रतीक है और भविष्य के लिए प्रेरणा भी। सेवा, करुणा और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता आगे भी हमें मार्गदर्शन देती रहेगी।

इंटर मीडिया पब्लिसिटी कोऑर्डिनेशन कमेटी मीटिंग में सरकार की खास पहलों के लिए प्रचार रणनीति को मजबूत करने का आह्वान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारत सरकार के प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) ने केंद्र सरकार के विशेष कार्यक्रमों के लिए प्रचार और संचार रणनीति को बेहतर बनाने पर विचार विमर्श के लिए इंटर मीडिया पब्लिसिटी कोऑर्डिनेशन कमेटी की एक मीटिंग आयोजित की। मीटिंग में जनगणना और पेट्रोलियम व एलपीजी की उपलब्धता पर विशेष जोर दिया गया। यह मीटिंग हरियाणा जनगणना संचालन निदेशालय, जनगणना भवन, सेक्टर-19, चंडीगढ़ में हुई। मीटिंग में केंद्र और राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। लोगों को संबोधित करते हुए, हरियाणा के जनगणना निदेशालय के निदेशक डॉ. ललित जैन ने राज्य में जनगणना गतिविधियों में मदद करने और ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राज्य में चल रहे आउटरीच कार्यक्रमों का विवरण दिया।

पेट्रोलियम सप्लाई से जुड़ी जागरूकता बढ़ाने के बारे में जानकारी देते हुए, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक, श्री अंजनी कुमार ने क्षेत्र में पेट्रोलियम व एलपीजी की उपलब्धता और सप्लाई के बारे में मौजूदा स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बिना किसी रुकावट के कंज्यूमर की डिमांड पूरी करने के लिए सभी रिटेल आउटलेट्स और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरस पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। श्री कुमार ने इंडियन ऑयल द्वारा एलपीजी और पेट्रोलियम की पैनिक खरीद और जमाखोरी को रोकने के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों के बारे में भी बताया और विभागों से जनता तक सही जानकारी पहुँचाने में मदद करने की अपील की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो और सेंट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिप्टी डायरेक्टर, सुश्री सपना ने सरकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुँचाने में एकीकृत मीडिया आउटरीच कार्यक्रमों की अहम भूमिका पर जोर दिया। पीआईबी और सीबीसी की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, उन्होंने सभी विभागों को टारगेटेड पब्लिसिटी मुहिम तैयार करने, स्थानीय भाषाओं पर कंटेंट बनाने, और जनगणना की गतिविधियों और पेट्रोलियम संरक्षण जैसी विशेष मुहिम बढ़ाने में पूरा सपोर्ट देने का भरोसा दिलाया। इससे पहले, सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ढक्क और उइउ की असिस्टेंट डायरेक्टर सुश्री शीनम जैन ने ट्राइसिटी के अलग-अलग सेंट्रल गवर्नमेंट डिपार्टमेंट के प्रतिनिधियों का स्वागत किया और मिलकर प्रवंचार प्रसार की कोशिशों की अहमियत पर जोर दिया। मीटिंग के दौरान, सदस्यों ने संचार को असरदार बनाने के लिए अपनी राय और सुझाव शेयर किए।

संत निरंकारी मिशन की चंडीगढ़ शाखा ने 327 यूनिट रक्त दान किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मानव एकता दिवस के अवसर पर संत निरंकारी सत्संग भवन सेक्टर 30 चंडीगढ़ में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें 327 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिसमें दो टीमे पीजीआई, सेक्टर 12 और सरकारी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल सेक्टर 16 के अनुभवी चिकित्सक एवं उनकी टीम ने रक्त एकत्रित किया। संपूर्ण आयोजन में सारी साध संगत ने तन मन धन से भरपूर योगदान दिया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए नगर निगम के मेयर सौरभ जोशी जी ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित स्वैच्छिक रक्तदाताओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि निरंकारी मिशन का संदेश ह्लमानव को मानव हो प्यारा, एक-दूजे का बने सहाराह्व सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं, बल्कि हृदय से जीया जाने वाला जीवन दर्शन है। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और निष्काम सेवा का जीवंत उदाहरण है।

युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी ने सत्य, सरलता और सद्भावना का मार्ग दिखाते हुए युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने और ऊर्जा को समाजसेवा में लगाने की प्रेरणा दी। बाबा हरदेव सिंह जी ने रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं का संदेश देकर सेवा को जीवन का अनिवार्य अंग बनाया, जिसे सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज निरंतर आगे बढ़ा रही हैं। मानव एकता दिवस 24 अप्रैल को, बाबा गुरबचन सिंह जी की दिव्य स्मृति में, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के सान्निध्य में दिल्ली के ग्राउंड नं. 8 में आयोजित हुआ। इसके साथ ही समूचे देश कीहजारों सत्संग केंद्रो पर श्रद्धा और समर्पण भाव से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और निष्काम सेवा का जीवंत स्वरूप बनकर उभरा। संत निरंकारी मण्डल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि समूचे भारतवर्ष के लगभग 200 स्थानों पर रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन किया गया; जिससेलगभग 40,000 यूनिट रक्त संकलित किया गया, जो निष्काम सेवा, परोपकार और मानवता के प्रति समर्पण की जीवंत अभिव्यक्ति बनकर उभरा।

इस अवसर पर यहां के संयोजक नवनीत पाठक ने चंडीगढ़ के मेयर जोशी का आभार व्यक्त करते हुए कि रक्तदान की यह पावन परंपरा पिछले चार दशकों से निरंतर जारी है।

प्रधान सचिव ने उपायुक्तों को समाधान शिविर में आई समस्याओं का बिना विलंब समाधान के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता ने चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की व उनकी समीक्षा की। उन्होंने सभी उपायुक्तों को बिना विलंब के समाधान शिविर की सभी तरह की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने प्रधान सचिव को बताया कि जनता की समस्याओं का समाधान शिविर में प्रमुखता से समाधान किया जा रहा है। शेष बची लंबित समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कर दिया जाएगा।

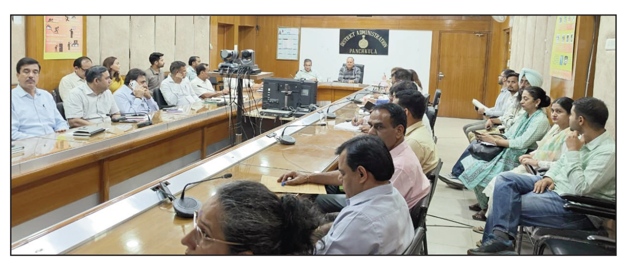

उपायुक्त ने इसके उपरांत लघु सचिवालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों की समीक्षा की और जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिलावासी अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान न हों। इस कार्य में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित समस्याओं का अगली बैठक तक समाधान करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, जिला बागवानी विभाग, एसीपी अजीत सिंह, नायब तहसीलदार, पब्लिक हेल्थ के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता एनके पायल, खेल विभाग, स्वास्थ्य, शिक्षा, वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

पंचकूला वार्ड छह से प्रवीन गोयल ने दाखिल किया नामांकन

पंचकूला। स्थानीय वार्ड नंबर छह से निर्दलीय प्रत्याशी प्रवीन कुमार गोयल ने आज निगम चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस वार्ड के अंतर्गत पंचकूला का सेक्टर 16,17 तथा 18 आता है। कार्यकताओं व समर्थकों को संबोधित करते हुए प्रवीन कुमार गोयल ने कहा कि उनका मुख्य एजेडा विकास तथा अपने वार्ड के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहता है। प्रवीन कुमार ने इस चुनाव अपना वार्ड क्लीन एंड ग्रीन का नारा दिया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राजनीति की बजाए आपसी भाईचारे का चुनाव है। लोगों के ऐसा व्यक्ति चुनना चाहिए जिसके निगम में जाने से विकास के साथ-साथ आपसी भाईचारा भी मजबूत हो। उन्होंने कहा कि वार्ड की जनता विकास चाहती है। पहले राजनेताओं को देख चुकी है। सेक्टरों में सफाई व्यवस्था की हालत खराब है। सेक्टर 16 की मार्केट में हालत दयनीय है। सेक्टर 17 की सोसायटियों में गंदगी की भरमार है। प्रवीन कुमार गोयल ने कहा कि वह पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरे हैं।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस द्वारा ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर कार्यशाला आयोजित

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने आज ट्रैफिक लाइंस, सेक्टर-29, यू.टी. चंडीगढ़ में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का साइलेंट बर्डन विषय पर कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला डॉ. संदीप बंसल, प्रोफेसर एवं इंचार्ज स्लीप लैब, ईएनटी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ तथा अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स फॉर स्लीप एपनिया के समन्वय से आयोजित हुई। इसमें 93 ड्राइवरों एवं ट्रैफिक कर्मियों ने भाग लिया। डॉ. बंसल ने स्लीप एपनिया के कारण, दुष्प्रभाव एवं बचाव के उपायों पर जानकारी दी तथा पीजीआईएमईआर की हेल्पलाइन एवं ओपीडी संबंधी जानकारी साझा की।

गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 की छात्राओं ने नेचर कैंप थापली में किया भ्रमण

पंचकूला। गवर्नमेंट सीनीयर सैकेंडरी स्कूल, सैक्टर-7 की छात्राओं ने थापली में आयोजित नेचर कैंप में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कैंप का उद्देश्य छात्राओं को प्रकृति से जोड़ना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कैंप के दौरान छात्राओं ने प्रकृति के बीच रहकर कई नई जानकारियाँ प्राप्त कीं। कैंप का आयोजन प्राकृतिक वातावरण से भरपूर थापली क्षेत्र में किया गया। यहाँ छात्राओं को पेड़-पौधों, वन्य जीवों तथा प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के बारे में बताया गया। विशेषज्ञों ने छात्राओं को समझाया कि बढ़ते प्रदूषण और जल संकट जैसी समस्याओं से बचने के लिए पर्यावरण की रक्षा करना आवश्यक है। कैंप में छात्राओं ने प्रकृति भ्रमण, पक्षियों की पहचान, पौधारोपण तथा स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियों में भाग लिया। छात्राओं ने आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य को नजदीक से देखा और विभिन्न पौधों व पक्षियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कैंप के दौरान यूथ कोऑर्डिनेटर ने छात्राओं को बताया कि प्रकृति और संस्कृति का गहरा संबंध होता है तथा हमें अपनी परंपराओं और प्राकृतिक धरोहर की रक्षा करनी चाहिए। उनके विचारों से छात्राओं को नई प्रेरणा मिली। कैंप के दौरान छात्राओं को अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता का भी प्रशिक्षण दिया गया। समूहों में कार्य करते हुए छात्राओं ने सहयोग और जिम्मेदारी की भावना सीखी। उन्होने कहा कि इस प्रकार के कैंप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। छात्राओं ने भी इस अनुभव को यादगार बताते हुए कहा कि प्रकृति के बीच समय बिताकर उन्हें बहुत आनंद मिला। कैंप के अंत में छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और संदेश दिया कि प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है।

कालका रेलवे रोड से गांधी चौंक तथा गांधी चौंक से रेलवे स्टेशन ऐरिया का प्रातः कालीन निरीक्षण

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार के निदेर्शानुसार, कार्यकारी अधिकारी-सह-उप-नगर आयुक्त, नगर परिषद कालका श्री अभय सिंह द्वारा आज प्रातः साढे सात बजे कालका रेलवे रोड से गांधी चौंक तथा गांधी चौंक से रेलवे स्टेशन एरिया का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान के नगर परिषद कालका के प्रधान श्री कृष्ण लाल लाम्बा, श्रीमती पबना कुमारी, वार्ड न0-14, से श्री विनोद शावरणी , वार्ड नंबर 30 से श्रीमती शालू, वार्ड नंबर 31 से श्रीमती उजाला बख्शी एंव अन्य गणमान्य नागरिक, परिषद अभियन्ता श्री दीपक सुखिजा, श्री अजय कुमार, कनिष्ठ अभियन्ता, श्री अंकित कुमार सफाई निरीक्षक, श्री अनील कुमार, सहायक सफाई निरिक्षक तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, जलभराव प्वाईंटस, चल रहे विकास कार्यो तथा लाईट आदि व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही नागरिकों की समस्याएं एंव सुझाव सुनकर मौके पर ही सम्बन्धित एजेन्सी तथा अधिकारी को तुरन्त प्रभाव से समस्या का निवारण करने के निर्देश दिये गये।

एसडी कॉलेज में एसईएम पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आगाज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी कामर्स एंड मैनेजमेंट वि भाग की ओर से पीएम-उषा योजना के अंतर्गत स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग (एसईएम) पर आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप का आगाज शुक्रवार को हुआ। वर्कशॉप के पहले दिन पंजाब यूनिवर्सिटी के इक्नॉमिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नितिन अरोड़ा ने बतौर रिसोर्स पर्सन ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने विषय को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जिससे प्रतिभागियों को जटिल शोध तकनीकों को समझने में आसानी हुई। वर्कशॉप में ट्राइसिटी और आसपास के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए शोधार्थियों और फैकल्टी मेंबर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने बहु-विषयक शोध में एसईएम के उपयोग, डेटा विश्लेषण और मॉडल निर्माण की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा।

कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने शोध-आधारित शैक्षणिक पहलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रकार की वर्कशॉप्स प्रतिभागियों की विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं, नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं और फैकल्टी मेंबर्स व शोधार्थियों को एडवांस्ड रिसर्च सिकल्स से सुसज्जित करती हैं, जो नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 की परिकल्पना के अनुरूप है। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पीजी कामर्स एंड मैनेजमेंट विभाग की डीन डॉ.मेरू सहगल ने गुणवत्तापूर्ण शोध के महत्व को रेखांकित किया।

इसके उपरांत विभाग की डीन डॉ. मेरू सहगल, डॉ.मोनिका सचदेवा (आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर), डॉ.. कपिल देव तथा असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. यश पाल सिंह ने रिसोर्स पर्सन का पौधे देकर स्वागत किया, जो संस्थान की सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ.मेरू सहगल ने गुणवत्तापूर्ण शोध के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण के लिए उच्च गुणवत्ता वाला शोध अत्यंत आवश्यक है, जो एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस अवसर पर डॉ.राजीव बहल ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं संकाय और छात्रों की विश्लेषणात्मक तथा शोध क्षमताओं को सुदृढ़ करती हैं।

वर्कशॉप के उद्घाटन शैक्षणिक सत्र की शुरूआत स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग (एसईएम) के सिद्धांत के विस्तृत परिचय के साथ हुई। इस दौरान प्रतिभागियों को एसईएम की वैचारिक आधारशिला, इसकी प्रमुख मान्यताओं तथा शैक्षणिक शोध में इसके विभिन्न अनुप्रयोगों से अवगत कराया गया। इस सत्र ने विभिन्न चर (वेरिएबल्स) के बीच जटिल संबंधों को समझने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया।

दूसरे सत्र में एक्सप्लोरेटरी फैक्टर एनालिसिस और कन्फर्मेटरी फैक्टर एनालिसिस पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। विशेषज्ञ ने दोनों पद्धतियों के बीच अंतर, उनके उपयोग तथा कार्यप्रणाली से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तार से समझाया। इस सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को शोध में विभिन्न कॉन्स्ट्रक्ट्स को प्रभावी ढंग से वैलिडेट करने की समझ विकसित हुई।

खुड्डियां ने पंजाब मंडी बोर्ड में आठ उम्मीदवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/एस.ए.एस. नगर

पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स.गुरमीत सिंह खुड्डियां ने पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट के साथ एस.ए.एस. नगर स्थित पंजाब मंडी बोर्ड के मुख्य कार्यालय में आठ उम्मीदवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे।

इस अवसर पर स. खुड्डियां ने बताया कि ये नियुक्तियां मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की उस नीति के तहत की गई हैं, जिसके अंतर्गत मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार प्रदान किया जाता है, ताकि उन्हें कम से कम समय में आर्थिक और सामाजिक सहायता मिल सके।

नवनियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ केवल मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां प्रदान कर रही है और अब तक 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने उम्मीदवारों को अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी, लगन और समर्पण के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम प्रभावित परिवारों के लिए बड़ा सहारा साबित होगा और ये युवा अब पंजाब मंडी बोर्ड के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस मौके पर पंजाब मंडी बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम ट्राइसिटी और आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न स्कूलों से 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

मानव मंगल में आयोजित समर स्कूल फेयर में छात्रों को मिली भविष्य की नई दिशा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

ट्राइसिटी में पहली शुक्रवार को मानव मंगल स्मार्ट स्कूल, सेक्टर-64 में आयोजित समर स्कूल फेयर में छात्रों की भीड़ उमड़ी। इस विशेष आयोजन का संचालन ग्रैडपायलट्स के सहयोग से हुआ, जो छात्रों को आधुनिक और व्यावहारिक करियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाला एक उभरता हुआ प्लेटफॉर्म है। इस फेयर का उद्देश्य छात्रों को गर्मी की छुट्टियों के दौरान उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक, कौशल विकास और एनरिचमेंट प्रोग्राम्स की जानकारी देना तथा उन्हें अपनी छुट्टियों का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में ट्राइसिटी और आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न स्कूलों से 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और अलग-अलग संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स पर जाकर जानकारी प्राप्त की। फेयर में आए छात्रों ने न सिर्फ समर इंटर्नशिप प्रोग्राम्स की जानकारी ली, बल्कि विशेषज्ञों से एक सफल उद्यमी (एंटरप्रेन्योर) बनने के बारे में भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और प्रेरक मंत्र प्राप्त किए। फेयर में देशभर की प्रमुख यूनिवर्सिटीज और शैक्षणिक सेवा प्रदाताओं ने सक्रिय भागीदारी की। इनमें यूनिवर्सल एआई, मास्टर्स यूनियन, प्लाक्षा यूनिवर्सिटी, वन यंग इंडिया, इंडियन स्कूल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस, पर्ल एकेडमी, आईएलईएपी फाउंडेशन, इनोवीक इंटर्नशिप्स, एजुक्वेस्ट, यूपीईएस और वेरिसीक एजुकेशन प्रमुख रूप से शामिल रहे।

इन संस्थानों ने छात्रों को समर इंटर्नशिप, शॉर्ट-टर्म कोर्सेज, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स और विभिन्न प्रतियोगी गतिविधियों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। छात्रों को न केवल नए अवसरों के बारे में जानने का मौका मिला, बल्कि विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपने करियर से जुड़े सवालों के समाधान भी प्राप्त हुए। इस फेयर में बड़ी संख्या में अभिभावक भी पहुंचे और उन्होंने विभिन्न संस्थानों से अपने बच्चों के भविष्य को लेकर जानकारी हासिल की। मास्टर्स यूनियन के प्रतिनिधि दक्ष ने बताया कि फेयर में आए छात्रों को विभिन्न समर प्रोग्राम्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि कई छात्रों में अभी से एंटरप्रेन्योर बनने का उत्साह देखने को मिला और उनकी टीम ने ऐसे छात्रों का मार्गदर्शन कर उन्हें सही दिशा दिखाने का प्रयास किया। वहीं, इनोवीक इंटर्नशिप्स के प्रतिनिधि मकरंद ने बताया कि समर इंटर्नशिप्स के माध्यम से छात्र न केवल नई स्किल्स सीखते हैं, बल्कि अपने करियर विकल्पों को बेहतर ढंग से समझने में भी सक्षम होते हैं।

ग्रैडपायलट्स की संस्थापक मुस्कान सोफत सरदाना ने बताया कि इस तरह के इनोवेटिव समर स्कूल फेयर का मुख्य उद्देश्य छात्रों को जागरूक बनाना है ताकि वे अपनी गर्मी की छुट्टियों का सही दिशा में उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि अक्सर छात्र छुट्टियों को केवल आराम के रूप में लेते हैं, लेकिन यदि इन दिनों का उपयोग सही मार्गदर्शन के साथ किया जाए तो यह उनके व्यक्तित्व और करियर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि इस फेयर के माध्यम से छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध एनरिचमेंट प्रोग्राम्स, इंटर्नशिप और लर्निंग अवसरों के बारे में व्यापक जानकारी मिली है, जिससे वे अपने भविष्य की दिशा तय करने में अधिक सक्षम बनेंगे।

वहीं, मानव मंगल स्मार्ट स्कूल डॉयरेक्टर संजय सदराना ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में छात्रों को सही समय पर सही मार्गदर्शन मिलना जरूरी है, और इस तरह के फेयर उन्हें अपने भविष्य को लेकर जागरूक एवं तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।